Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24 website- www.dvpnews.in रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 250 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, बुधवार 26 मार्च 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

सत्य भगवान है, सत्य लोक में सारभूत है।

Truth is god, truth is fundamental in this world.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

दंतेवाड़ा-बीजापुर सीमा पर पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, तीन नक्सली ढेर

दंतेवाड़ा (आरएनएस)। जिले की दंतेवाड़ा और बीजापुर सीमा पर मंगलवार सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में पुलिस ने तीन नक्सलियों को मार गिराया और उनके कब्जे से हथियार बरामद किए। पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा, गौरव राय ने बताया कि सुरक्षा बलों की एक टीम नक्सलियों के खिलाफ अभियान पर निकली थी, उसी दौरान यह मुठभेड़ हुई। यह कार्रवाई नक्सल गतिविधियों पर लगाम लगाने और इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए की जा रही है। पुलिस ने इस मुठभेड़ में सफलता हासिल की है, जिससे नक्सलियों के खिलाफअभियान को और मजबूती मिली है।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने दुर्ग जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज का दौरा किया

रायपुर (विसं)। दुर्ग। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मंगलवार को दुर्ग जिले का दौरा किया। इस दौरान वो जिला अस्पताल और चंदूलाल चंद्राकर मेडिकल कॉलेज का दौरा करने पहुंचे। यहां उन्होंने पाया कि स्वास्थ्य की व्यवस्था चरमाराई हुई है, तो वहीं मेडिकल स्टूडेंट्स की पढ़ाई भी भगवान भरोसे चल रही है। स्वाथ्य मंत्री चंदूलाल चंद्राकर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का दौरा करने पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने उन्होंने मेडिकल कॉलेज का दौरा किया।

साहू समाज के स्वाभिमान और सांस्कृतिक धरोहर को मिला नया आयाम

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भक्त माता कर्मा की 1009वीं जयंती पर किया ऐतिहासिक डाक टिकट का विमोचन

छत्तीसगढ़ से निकली आस्था की गूंज, देशभर में गूंजेगा माता कर्मा का संदेश : मुख्यमंत्री साय

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की धरती आज एक ऐतिहासिक क्षण की साक्षी बनी, जब भक्त माता कर्मा की 1009वीं जयंती के पावनअवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित कर्माधाम परिसर में माता कर्मा को समर्पित डाक टिकट का भव्य विमोचन किया। यह डाक टिकट न केवल श्रद्धा की प्रतीक माता कर्मा के त्याग और समर्पण को अमर करता है, बल्कि साहू समाज के गौरवपूर्ण इतिहास और सांस्कृतिक परंपरा को भी राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर भक्त माता कर्मा मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना की। उन्होंने आदर्श विवाह समारोह में शामिल नव दंपत्तियों को आशीर्वाद देते हुए समाज की एकजुटता और संस्कारशीलता की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कहा भक्त माता कर्मा का जीवन निष्ठा, बलिदान और भक्ति की मिसाल है। डाक टिकट के माध्यम से उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाना, भावी पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा का स्रोत बनेगा। साहू समाज ने हमेशा मुझे अपार स्नेह दिया है और मैं समाज की इस ऐतिहासिक मांग को स्वीकार करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और केंद्र सरकार का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि राजिम माता की मूर्ति स्थापना सहित अन्य विकास कार्यों के लिए पूर्व में घोषित 5 करोड़ रुपए की राशि अब बजट में शामिल कर दी गई है, जिससे समाज के धार्मिक स्थलों के विकास को नई गति मिलेगी।

इस अवसर पर डिप्टी सीएम अरुण साव ने माता कर्मा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा कि माता कर्मा का आशीर्वाद समाज और प्रदेश दोनों के लिए कल्याणकारी है। यह डाक टिकट मातृशक्ति के सम्मान का प्रतीक है। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने डाक टिकट विमोचन को तैलिक समाज के लिए गर्व का क्षण बताते हुए कहा यह डाक टिकट एक प्रतीक नहीं, बल्कि माता कर्मा के संघर्ष, सेवा और त्याग की राष्ट्रीय मान्यता है।

कश्मीर में अलगाववाद बन चुका इतिहास, पीएम मोदी के दृष्टिकोण की बड़ी जीत : अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को बताया कि हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के दो संगठनों, जम्मू और कश्मीर पीपुल्स मूवमेंट (जेकेपीएम) और डेमोक्रेटिक पॉलिटिकल मूवमेंट ने अलगाववाद से सभी संबंध तोड़ने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि कश्मीर में अब अलगाववाद इतिहास बन चुका है। ऐसे सभी समूहों से आग्रह करता हूं कि वे आगे आएं और अलगाववाद को हमेशा के लिए खत्म करें। साथ ही गृह मंत्री अमित शाह ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित, शांतिपूर्ण और एकीकृत भारत के निर्माण के दृष्टिकोण की बड़ी जीत बताया।

गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कश्मीर में अलगाववाद इतिहास बन चुका है। मोदी सरकार की एकीकरणकारी नीतियों ने जम्मू-कश्मीर से अलगाववाद को खत्म कर दिया है। हुर्रियत से जुड़े दो संगठनों ने अलगाववाद से सभी संबंध तोड़ने की घोषणा की है। मैं भारत की एकता को मजबूत करने की दिशा में इस कदम का स्वागत करता हूं और ऐसे सभी समूहों से आग्रह करता हूं कि वे आगे आएं और अलगाववाद को हमेशा के लिए खत्म करें। उन्होंने आगे लिखा, यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित, शांतिपूर्ण और एकीकृत भारत के निर्माण के दृष्टिकोण की बड़ी जीत है।

इससे पहले 5 फरवरी को नई दिल्ली में अमित शाह ने जम्मू और कश्मीर की सुरक्षा स्थिति पर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार, जम्मू और कश्मीर से आतंकवाद को पूरी तरह समाप्त करने के प्रति कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के निरंतर और समन्वित प्रयासों के कारण जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद का इकोसिस्टम काफी कमजोर हो गया है। उन्होंने आतंकवाद-मुक्त जम्मू और कश्मीर के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आतंकवाद के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस की मोदी सरकार की नीति पर बल दिया।

मुख्यमंत्री साय की पहल- तीन प्रमुख पर्यटन सर्किटों का हुआ लोकार्पण

मयाली नेचर कैम्प में साहसिक खेलों की रोमांचक शुरुआत

जनजातीय प्रतिभाओं को मिलेगा मंच और युवाओं को मिलेगा रोजगार

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज जशपुर जिले को एक नई पहचान देने वाली ऐतिहासिक पहल की। उन्होंने कुनकुरी स्थित मयाली नेचर कैम्प में एडवेंचर जोन का शुभारंभ किया और जिले के लिए तीन प्रमुख पर्यटन सर्किटों-आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक (स्पिरिचुअल एंड हेरिटेज), प्राकृतिक एवं वन्य जीव (नेचर एंड वाइल्ड लाइफ) और साहसिक पर्यटन (एडवेंचर) सर्किट का लोकार्पण किया। यह कदम न केवल जशपुर को छत्तीसगढ़ के भीतर एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य बनाएगा, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए भी नए अवसरों के द्वार खोलेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वयं पोंटून बोट में सवार होकर मधेश्वर महादेव के विहंगम दृश्य का अवलोकन किया और कहा कि मयाली एडवेंचर ज़ोन अब रोमांच और रोजगार का केंद्र बनेगा। यहाँ एक्वा साइक्लिंग, कयाकिंग, स्पीड बोट, फ्लोटिंग जेटी, बम्पर बोट जैसे एडवेंचर एक्टिविटी की शुरुआत की गई है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा जिन तीन प्रमुख पर्यटन सर्किटों का लोकार्पण किया गया, वे जशपुर की विविधता और विशेषता को दर्शाते हैं।

रायपुर से विशाखापट्टनम हवाई सफर की शुरुआत, इन दिनों उड़ान भरेगी फ्लाइट

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के हवाई यात्रियों के लिए विशाखापट्टनम अब नया डेस्टिनेशन बनने जा रहा है. बजट एयरलाइंस इंडिगो ने रायपुर-विशाखापट्टनम-रायपुर सेक्टर में 31 मार्च से नई फ्लाइट शुरू करने का शेड्यूल जारी कर दिया है. इसके लिए बुकिंग भी शुरू कर दी गई है. प्रदेश के कारोबारी, विद्यार्थी और पर्यटक लंबे समय से इस रूट पर सीधी फ्लाइट की मांग कर रहे थे।

इंडिगो की यह फ्लाइट सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार को संचालित होगी. यात्रियों की सुविधा के लिए 78 सीटर एटीआर विमान लगाया गया है. इससे रायपुर से विशाखापट्टनम का सफर सिर्फ डेढ़ घंटे में पूरा होगा. शुरुआती दौर में 31 मार्च को रायपुर से विशाखापट्टनम की टिकटें मात्र 3,000 रुपये में उपलब्ध हैं।

बता दें कि विशाखापट्टनम स्वास्थ्य सेवाओं, एजुकेशन, वीकेंड टूरिज्म और वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में लोकप्रिय है. इस फ्लाइट के शुरू होने से यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा।

'एक देश एक चुनाव' विधेयक पर बनी संसदीय समिति का कार्यकाल बढ़ा

राज्यसभा से नए सदस्य का भी एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा ने मंगलवार को एक देश एक चुनाव को लेकर गठित संसदीय समिति का कार्यकाल बढ़ाने की मंजूरी दे दी। अब इस समिति का कार्यकाल संसद के मानसून सत्र के अंतिम हफ्ते के पहले दिन तक रहेगा। संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने समिति के कार्यकाल में विस्तार का प्रस्ताव लोकसभा में पेश किया, जिसे ध्वनिमत से मंजूर कर लिया गया।

लोकसभा के महासचिव ने सदन को ये भी बताया कि राज्यसभा से एक नए सदस्य को भी संसदीय समिति में जगह दी गई है। 39 सदस्यीय समिति में वाईएसआर कांग्रेस के राज्यसभा सांसद वी विजयसाई रेड्डी के इस्तीफे के बाद एक पद खाली था। समिति के सदस्यों का मानना था कि उन्हें प्रस्तावित कानून के लिए बड़ी संख्या में हितधारकों से चर्चा करनी होगी, ऐसे में समिति का काम लंबा चलने की संभावना है। यही वजह है कि समिति का कार्यकाल बढ़ाया गया है।

संसदीय समिति में शामिल हैं 39 सदस्य : 12 दिसंबर को पीएम मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट ने इन विधेयकों को मंजूरी दी थी। हालांकि लोकसभा में विपक्ष के विरोध को देखते हुए इन्हें संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया गया था। 39 सदस्यीय इस संयुक्त संसदीय समिति की अध्यक्षता भाजपा सांसद पीपी चौधरी कर रहे हैं।

विश्व क्षय दिवस पर छत्तीसगढ़ राज्य को किया गया सम्मानित

रायपुर (विसं)। विश्व क्षय दिवस के अवसर पर विज्ञान भवन, नई दिल्ली में स्वास्थ्य एवम परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें भारत के सभी राज्यों से स्वास्थ्य सचिव, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन संचालक, राज्य क्षय अधिकारी, विभिन्न मंत्रालयों के अधिकारी, राज्य सलाहकार व विश्व स्वास्थ्य संगठन के सलाहकार सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री व रसायन और उर्वरक मंत्री श्री जे. पी. नड्डा ने की। टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण भारत शासन द्वारा वर्ष 2023 में टीबी मुक्त ग्राम पंचायत की पहल की गई थी।

बूढ़ातालाब चौपाटी का विरोध; एजेंसी की मनमानी पर बिफरी महापौर मीनल चौबे, लगाई फटकार

रायपुर (विसं)। रायपुर नगर निगम महापौर मीनल चौबे ने मंगलवार को बूढ़ातालाब में हो रहे चौपाटी निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। महापौर मीनल चौबे ने कड़ा रुख अख्तियार करते हुए कहा कि पर्यटन विभाग का उद्देश्य शहर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण करना होता है न कि उनका व्यवसायीकरण कर मुनाफा कमाना। एजेंसी की ओर से विभागीय अधिकारियों की आंखों में धूल झोंककर मनमानी किये जाने की आशंका है।

रायपुर हमारा शहर है। दानी स्कूल शहर की बेटियों का पुरातन स्कूल है, जहां अच्छी शिक्षा और संस्कार दिये जाते हैं। स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों की मांग है कि पर्यटन विभाग इस योजना की पुनर्समीक्षा करे और बूढ़ातालाब की पारंपरिक और ऐतिहासिक पहचान को बरकरार रखा जाये। इस दौरान नगर निगम कमिश्नर विश्वदीप, एमआईसी मेंबर मनोज वर्मा और वार्ड पार्षद मुरली शर्मा भी उपस्थित रहे।

बता दें कि रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने बूढ़ा तालाब को टूरिज्म बोर्ड को हस्तांतरित कर दिया है, जिसके तहत एजेंसी के माध्यम से वहां चौपाटी का निर्माण किया जा रहा है। इस निर्माण के दौरान पाथवे को तोड़ दिया गया है, जबकि पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। स्थानीय लोग बन रहे चौपाटी का जमकर विरोध कर रहे हैं।

निगम-मंडलों में नियुक्तियां जल्द की आएगी : अरुण साव

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ में निगम-मंडलों में नियुक्तियों को लेकर चल रही अटकलों के बीच डिप्टी सीएम अरुण साव ने बड़ा बयान दिया है। आज एक प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव संपन्न हो चुके हैं, अब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जल्द ही इन नियुक्तियों पर फैसला लेंगे। डिप्टी सीएम ने बताया कि भाजपा संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों से चर्चा के बाद निगम-मंडलों में नियुक्तियां तय की जाएंगी। इसके साथ ही जिला और मंडलों में भी कार्यसमिति का गठन जल्द किया जाएगा। संगठन विस्तार और राजनीतिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए यह प्रक्रिया पूरी की जाएगी। गर्मी बढ़ते ही जल संकट गहराने लगा है। पेयजल आपूर्ति को लेकर उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया कि आमतौर पर दिसंबर और जनवरी में कुछ आंशिक बारिश होती है, जो इस बार नहीं हुई।

UTS मोबाइल ऐप बना यात्रियों के लिए सरल, तीव्र, डिजिटल एवं सुविधाजनक

लम्बी कतार में समय व्यर्थ ना गँवाएँ, मोबाइल ऐप से घर बैठे जनरल, प्लेटफार्म एवं मंथली सीजन टिकट बुक कराएं

बिलासपुर (विश्व परिवार)। अनारक्षित टिकटिंग की प्रक्रिया को यात्रियों के सुविधा अनुकूल बनाने, यात्रियों को चिल्हर की परेशानी से राहत दिलाने के साथ ही डिजिटल टिकटिंग मोड को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रेलवे प्रशासन द्वारा घर बैठे अनारक्षित टिकट बुकिंग हेतु यूटीएस मोबाइल ऐप की सुविधा प्रदान की गई है। इस ऐप के द्वारा कितनी भी दूरी से किसी भी स्टेशन के लिए अनारक्षित टिकट सरलता से प्राप्त किया जा सकता है।

इस ऐप का उद्देश्य डिजिटल टिकटिंग को बढ़ावा देना, कतार व चिल्हर की परेशानियों से यात्रियों को मुक्त कराना है। भीड़भाड़ के दौरान सुगम तरीके से अनारक्षित टिकट प्राप्त करने का यह सबसे आसान व अच्छा विकल्प है, जिससे यात्रियों को स्टेशन के टिकट काउंटर पर लंबी कतारों में लगने की जरूरत नहीं पड़ेगी। साथ ही टिकट का भुगतान क्रङ्खड्डद्यद्यद्गह्ल के माध्यम से करने से 03 प्रतिशत की अतिरिक्त बोनस राशि भी प्राप्त होती है। बिलासपुर मंडल के सभी स्थानों पर यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप का उपयोग आसानी से किया जा सकता है।

यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप से यात्रियों को कैशलेस टिकट बुकिंग की सुविधा मिलती है जिससे डिजिटल लेन-देन को भी बढ़ावा मिल रहा है। इस ऐप के जरिए यात्री जनरल टिकट, प्लेटफॉर्म टिकट और मासिक सीज़न टिकट (स्र्स्ञ्) भी आसानी से बुक कर रहे हैं। मंडल के बिलासपुर सहित सभी प्रमुख स्टेशनों में हेल्प-डेस्क के माध्यम से टिकट चेकिंग व बुकिंग स्टाफ द्वारा यात्रियों को यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा रही है। साथ ही यूटीएस ऑन मोबाइल एप के माध्यम से अनारक्षित टिकट के प्रावधानों, इससे होने वाली लाभों एवं इसके प्रयोग के बारे में विस्तारपूर्वक बताया जा रहा है। जिससे यात्रीगण इसका सरलतापूर्वक प्रयोग कर इस सुविधा का अधिकाधिक लाभ उठा सकें।

कैसे करें यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप का इस्तेमाल

गूगल प्ले स्टोर, एप्पल स्टोर या विंडोज स्टोर से "UTS" ऐप डाउनलोड करें. साइन अप करके मोबाइल नंबर पंजीकृत करें. इस सुविधा में आर-वॉलेट का उपयोग करके टिकट बुक करें. आर-वॉलेट को डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग, यूपीआई या यूटीएस काउंटर के माध्यम से रिचार्ज करें. ऐप पर अनारक्षित टिकट बुकिंग, सीजन टिकट जारी, नवीनीकरण और पेपरलेस टिकट का विकल्प मौजूद है। बुक किए गए टिकट का विवरण भी इस ऐप में प्रदर्शित होता है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विधानसभा में पेश किया 1 लाख करोड़ रुपए का बजट

विकास पर खास जोर, आयुष्मान भारत के तहत 10 लाख रुपये का इंश्योरेंस कवर, महिलाओं को हर महीने दिए जाएंगे 2500 रुपए

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मंगलवार को विधानसभा में अपनी सरकार का पहला बजट पेश कर दिया है। उन्होंने आज के दिन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह कोई साधारण बजट नहीं है। आइए जानते हैं सीएम ने बजट में दिल्ली वालों के लिए क्या-क्या बड़े ऐलान किए हैं।

दिल्ली का बजट 1 लाख करोड़ रुपये, विकास पर खास जोर। आयुष्मान भारत के तहत 10 लाख रुपये का इंश्योरेंस कवर। दिल्ली की महिलाओं को 2500 रुपये महीने की राशि दी जाएगी। अपने बजट भाषण में सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि पिछले 10 सालों में विकास के हर पैमाने पर दिल्ली फिसलती गई। स्वास्थ्य सुविधाओं की दयनीय स्थिति हो गई। आइए जानते हैं सीएम रेखा गुप्ता के बजट की बड़ी बातें।

दिल्ली बजट 2025 हाइलाइट्स नीचे देखें- दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने दिल्ली में एक लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया।

रेखा गुप्ता ने कहा कि बीजेपी सरकार ने अपने बजट में आम आदमी पार्टी की सरकार के 15000 करोड़ रुपये की तुलना में 28000 करोड़ रुपये कैपिटल एक्सपेंडिचर के लिए आवंटित किया है।

दिल्ली सरकार के बजट में इस बार पूंजीगत खर्चों को दुगना कर दिया है। इसे बढ़ाकर 28 हजार करोड़ रुपये किया गया है। यह राशि सड़क से लेकर शिक्षा क्षेत्र में खर्च किए जाएंगे।

दिल्ली की जनता को अब आयुष्मान भारत के लिए 10 लाख रुपये का इंश्योरेंस कवर मिलेगा। केंद्र के 5 लाख रुपये के कवर के साथ दिल्ली के लोगों को 5 लाख रुपये का टॉपअप देगी।

महिला समृद्धि योजना के तहत सीएम रेखा गुप्ता ने दिल्ली सरकार के बजट में 5100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। दिल्ली की महिलाओं को 2500 रुपये महीने की राशि दी जाएगी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जेजे कॉलोनी (झुग्गी बस्तियों का विकास) के विकास के लिए 696 करोड़ रुपये आवंटित किए।

दिल्ली में 28,000 करोड़ रुपये के फंड से सड़क, पुल, जल निकासी, ट्रांसपोर्ट और अन्य सार्वजनिक सेवाओं में व्यापक सुधार होगा।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए 50000 अतिरिक्त कैमरे के लिए 3843 करोड़बच्चों को निशुल्क लैपटॉप देने के लिए 7.50 करोड़ रुपये का बजट बच्चों को निशुल्क लैपटॉप देने के लिए 7.50 करोड़ रुपये का बजटका बजट।

दिल्ली विधानसभा में अपने बजट भाषण के दौरान सीएम रेखा गुप्ता ने विधायक निधि के लिए 350 करोड़ रुपये के आवंटन की घोषणा की।

100 जगहों पर अटल कैंटीन खोली जाएगी। इस मद में 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

यमुना को साफ करने के लिए 500 करोड़ रुपये की लागत से डिसेंट्रलाइज सीवेज प्लांट के लिए अलग से व्यवस्था की गई है। यमुना को साफ करने के लिए 500 करोड़ रुपये की लागत से डिसेंट्रलाइज सीवेज प्लांट के लिए अलग से व्यवस्था की गई है। दिल्ली में नई औद्योगिक नीति लेकर आएगी, इससे दिल्ली में व्यापार करने में आसानी होगी।

नई वेयर हाउसिंग नीति को अंतिम रूप दिया जा रहा है, इससे उद्योगों की बड़ी जरूरत पूरी होगी।

ट्रेडर वेलफेयर बोर्ड की स्थापना की जाएगी जोकि दिल्ली में कारोबारियों के सामने आने वाली समस्याओं की पहचान और निदान का काम करेगी।

सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण योजना-2 के तहत हमने 206 करोड़ का फंड रखा है, जिसके तहत 1000 आंगनवाड़ियों को सक्षम आगनवाड़ियों में परिवर्तित किया जाएगा। जहां बेहतर सुविधाएं होंगी।

गरीबों के बच्चों के लिए पालना यानी राष्ट्रीय क्रैच योजना के लिए हम 500 नए पालना घर और आंगनवाड़ी केंद्र खुलेंगे। इसके लिए 50 करोड़ रुपये का फंड रखा गया है।

दिल्ली सरकार 10वीं कक्षा पास करने वाले 1,200 छात्रों को मुफ्त लैपटॉप देगी, वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में इसके लिए 750 करोड़ रुपये आवंटित करने का प्रस्ताव।

दिल्ली सरकार भ्रष्टाचार पर लगाम कसने के लिए 'पिंक टिकट' की जगह महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा के लिए 'कार्ड' जारी करेगी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'व्यापारी कल्याण बोर्ड' के गठन की घोषणा की और कहा कि हर दो वर्ष में शहर में 'वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन' आयोजित किया जाएगा। दिल्ली सरकार ने झुग्गी बस्तियों के विकास के लिए 696 करोड़ रुपये आवंटित करने का प्रस्ताव। -कमल नयन नारंग

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल रमेन डेका से शदाणी दरबार के प्रवक्ता नंदलाल साहित्य ने भेंट की

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज राजभवन में शदाणी दरबार के प्रवक्ता श्री नंदलाल साहित्य एवं श्री उदयलाल ने मुलाकात कर सरोपा और प्रसाद भेंट किया। उन्होंने शदाणी दरबार की गतिविधियों से राज्यपाल को अवगत कराया।

आकाशवाणी में पर्यावरण संरक्षण पर विजय मिश्रा की वार्ता

रायपुर (विश्व परिवार)। आकाशवाणी रायपुर के द्वारा प्रसारित नमस्ते रायपुर कार्यक्रम के अंतर्गत आज 26 मार्च 2025 को श्री विजय मिश्रा अमित की भेंट वार्ता का प्रसारण प्रातः 7:30 बजे किया जाएगा। आकाशवाणी के प्रोग्राम एग्जीक्यूटिव श्री प्रकाश उदय इस कार्यक्रम के अंतर्गत पेड़ प्रहरी संस्थान के संस्थापक पशु पक्षी पर्यावरण प्रेमी श्री विजय मिश्रा से साक्षात्कार करेंगे। पर्यावरण पशु पक्षी संरक्षण के लिए श्री मिश्रा द्वारा विगत 35 वर्षो से कारगर प्रयास किए गए हैं इस हेतु उन्हें ग्रीन इंडोल, पक्षी मित्र सहित अनेक पुरस्कार मिले हुए हैं। पेड़ों के पापा और चिड़ियों के चाचा जैसे निक नाम से भी उन्हें जाना जाता है।

नालियों की अच्छी तरह सफाई करवाने के निर्देश

रायपुर (विसं)। आज नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त और रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के प्रबंध संचालक विश्वदीप ने राजधानी शहर के जीईमार्ग पर निरीक्षण के दौरान अनुपम उद्यान के समीप निर्माणाधीन भवनों और दुकानों की जाँच करवाकर स्वीकृति की जानकारी लेकर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश जोन 7 जोन कमिश्नर रमाकांत साहू, कार्यपालन अभियंता श्री ईश्वर लाल टावरे को दिए, आयुक्त ने तात्यापारा चौक के पास, आमापारा चौक के पास, आयुर्वेदिक कॉलेज के पास नालियों की अच्छी तरह से सफाई करवाने के निर्देश जोन 5 और जोन 7 जोन कमिश्नर को दिए, आयुक्त ने आमानाका वेंडिंग जोन के कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

50 किलो से अधिक बल्क जनरेट कचरा उत्पादन करने वाले होटलो को कम्पोस्ट पिट लगाना अनिवार्य

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत शासन की गाइडलाइन है कि प्रत्येक होटल व्यवसायिक जहां पर 50 किलो से अधिक गीला कचरा निकलता है। उसको अपने होटल परिसर में कम्पोस्ट पिट का निर्माण करना अनिवार्य है। होटलो से जो भी अनउपयोगी खादय पदार्थ निकलता है, उसे कम्पोस्ट पिट के माध्यम से खाद के रूप में परिवर्तित करना है। इसके लिए, कुछ सिस्टमेटिक मशीने बाजारो में मिल रही है। नहीं तो देशी विधि से दो बाई दो का गडडा करके उसमें गुड़, मिट्टी, गोबर, केंचुआ का छोटा सा अवशेष डाल देने से उसमें अपने आप रसायनिक क्रिया होने लगती है और वह बहुत उपयोगी खाद बन जाता है। बीच-बीच में उसमें पानी डालना रहता है। इस खाद का उपयोग होटल व्यवसायी अपने बागवानी, गमले, पेड़-पौधो में कर सकते है।

सभी को अपने होटल में रजिस्टर मेंटेन करना होगा, कि उनके यहां से कितना किलो गीला कचरा निकला, कितना किलो खाद बनाया गया। सूखा कचरा एकत्रित कर नगर निगम के सफाई वाहन में देना अनिवार्य है। स्वच्छ सर्वेक्षण के दौरान होटल के सफाई व्यवस्था पर भी रैंकिंग निर्धारित है। आज आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, जोन आयुक्त अजय सिंह राजपूत, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली को लेकर निगम क्षेत्र के होटलों में किये जा रहे कम्पोस्टिंग पिट का निरीक्षण किये। इसके साथ ही सब्जी मंडी, पार्क, सार्वजनिक शौचालय, बाजार आदि जगहो का भी साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किए और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

निगम के अधिकारी नेहरू नगर ईस्ट पिंग गार्डन के समीप एम मोगे, राजेश सूद के घर गए। उनके द्वारा किये जा रहे अपने बागवानी में कम्पोस्ट पिट का निरीक्षण किये। बहुत ही सिस्टेमेटिक ढंग से उनके द्वारा कम्पोस्ट पिट बनाया गया है। उन्होंने निगम आयुक्त को बताया मेरे यहां किसी भी पौधे में रसायनिक खाद का उपयोग नहीं होता है। मेरे घर के फूलो में भी महक अच्छी होती है किसी प्रकार का खाद बनाने से बदबु भी नहीं होता है, सबको उपयोग करना चाहिए। निरीक्षण के दौरान जोन सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना, जनसम्पर्क अधिकारी अजय शुक्ला, जोन स्वास्थ्य निरीक्षक कमलेश द्विवेदी, पीआईयू सुभम पाटनी, अभिनव ठोकने आदि उपस्थित रहे।

अटल परिसर निर्माण कार्य स्थल का आयुक्त ने किया निरीक्षण, कहा- शीघ्र निर्माण कार्य में बाधित बेजा कब्जा को हटवाने दिए निर्देश

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत सुआ चौक ठगड़ा बांध के पास भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में शासन द्वारा प्रारंभ किये गये योजना अनुसार अटल परिसर का निर्माण किया जाना है। इस क्रम में आज कमिश्नर सुमित अग्रवाल द्वारा कार्यपालन अभियंता मोहनपुरी गोस्वामी,सहायक अभियंता राजेन्द्र ढाबाले,उपअभियंता करण यादव की मौजूदगी में अटल परिसर निर्माण कार्य का निरीक्षण कर जायजा लिया इस दौरान कमिश्नर ने अटल परिसर योजना अंतर्गत परिसर का निर्माण समयसीमा गुणवत्ता पूर्ण किया जाना है उन्होंने प्रस्तावित निर्माण स्थल में स्थित बेजा कब्जा,झाड़ी को शीघ्र हटवाने हेतु निर्देश दिये उन्होंने उपलब्ध स्थल के अनुसार ले आउट तैयार करने हेतु निर्देश दिए। अटल परिसर निर्माण प्रारंभ किया जाना है।

बता दे कि नगर निगम द्वारा जेल तिराहा के पास सुआ चौक के समीप इस भव्य परिसर का निर्माण किया जाएगा।वाणिज्यिक निर्माण, और अटल जी की कविताओं का संगीतमय गायन,अटल जी की महत्वपूर्ण घटनाओं व राष्ट्र निर्माण सहित उनकी भूमिका एवं उपलब्धियों को प्रभावित करने के लिए गैलरी का भी निर्माण किया जाना है। जिससे आम जनता एवं भावी पीढ़ी प्रेरणा प्राप्त कर सके ये सब शामिल रहेगा। परिसर के मध्य अटल बिहारी वाजपेयी की 9 फीट ऊंची आदमकद प्रतिमा स्थापित की जाएगी, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 50 लाख रुपये है।

निगम भिलाई मुख्य कार्यालय के सामने फाउन्टेन बना आकर्षण का केन्द्र

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई नेशनल हाईवे के समीप होने के कारण वहां से आने जाने वाले नागरिको के लिए फौव्वारा लगाया गया है। फौव्वारे में अलग-अलग रंगो के एल.ई.डी. लाईट लगाया गया है। फौव्वारा सामं को चालू होते ही लाईट के साथ पानी लोगो को अपनी ओर आकर्षित करता है। निगम परिसर के आस-पास व्यावसायिक होटल संचालित हो रहे है, जहां अक्सर शादी के समय फौव्वारा के पास बैठक कर आने-जाने वाले लोग अपना समय बिताते है।

आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के संज्ञान में आया कि निगम मुख्य कार्यालय के सामने बना फौव्वारा लम्बे समय से बंद पड़ा है। जिसे पुनः चालू कर दिये जाने से लोगो के लिए आकर्षण का केन्द्र बन जाए। जिससे नागरिक फौव्वारा के सामने खड़े होकर सेल्फी भी ले सकते है। आयुक्त पाण्डेय ने भवन संधारण विभाग को निर्देशित किये कि बंद पड़े फौव्वारा को शीध्र संधारण कराकर चालू किया जाये। निगम का फौव्वारा नेशनल हाईवे से लगे होने के कारण आने वाले नागरिको का ध्यान जब फौव्वारे पर पड़ता है। तो वो भी फौव्वारा के करीब आकर सेल्फी लेते है और रंग-बिरंगी लाईट को देखकर मनोरंजन का आनंद लेते है। वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन, महापौर नीरज पाल ने नागरिको से अपील किये है, कि नगर निगम भिलाई अपकी सुविधा एवं मनोरंजन के लिए फौव्वारा लगाया गया है। सभी नागरिक जब अपने घरो से घूमने, टहलने निकले तो मुख्य कार्यालय के सामने लगे फौव्वारे का आनंद जरूर ले।

पशुओं के लिए जलपात्र रखकर पीपला ने दिया कर्मा जयंती की शुभकामनाएं

जलदान महाअभियान मुहिम की सर्वत्र हो रही है सराहना

आरंग (विश्व परिवार)। मंगलवार को कर्मा जयंती के अवसर पर स्वयंसेवी संस्था पीपला फाउंडेशन ने भक्त माता कर्मा की प्रतिमा के समीप पशुओं के लिए जलपात्र रखकर नगर व क्षेत्र वासियों को माता कर्मा जयंती की शुभकामनाएं दिए। वहीं कालेज चौंक सहित नगर के विभिन्न चौंक चौराहों पर जलपात्र रखकर लोगों से मूक पशुओं के लिए जलदान की अपील किए। फाऊंडेशन के संयोजक महेन्द्र पटेल ने बताया जलदान महाअभियान पहल की सर्वत्र सराहना हो रही है। जलपात्र रखते ही लोग बड़े उत्साह से पशुओं के लिए पानी भर रहे हैं।वार्ड नं 16 बैहार की पार्षद श्रीमती सेवती तोषण साहू ने स्वयं जलदान कर लोगों को जलदान महाअभियान मुहिम में सहयोग करने की अपील की।अब नगर सहित ग्रामीण अंचलों में भी मूक पशुओं के लिए जलपात्र की मांग होने लगी है। लोग इस नेक कार्य के लिए स्वप्रेरित होकर सहयोग करने लगे हैं। वहीं फाउंडेशन के सदस्यों ने पशु सेवकों व जनमानस से बढ़ चढ़कर सहयोग करने आग्रह कर रहें हैं।इस अवसर पर फाउंडेशन के अध्यक्ष दूजेराम धीवर, संयोजक महेन्द्र कुमार पटेल, कोषाध्यक्ष कोमल लाखोटी, सचिव अभिमन्यु साहू, सक्रिय सदस्य प्रतीक टोंड्रे, भागवत जलक्षत्री, शैलेन्द्र चंद्राकर, संजय मेश्राम,राकेश जलक्षत्री, राहुल पटेल मौजूद थे।

ठगड़ा बांध का पानी बाहर खाली करवाने की शिकायत पर स्थल निरीक्षण करने पहुंची महापौर अल्का बाघमार

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम महापौर श्रीमती अल्का बाघमार को ठगड़ा बांध से पानी बाहर निकलने की समस्या से संबंधित शिकायत प्राप्त होने पर उन्होंने तुरंत इस मामले की गंभीरता को समझते हुए स्थल निरीक्षण करने का निर्णय लिया। महापौर श्रीमती अल्का बाघमार एमआईसी सदस्य देव नारायण चंद्राकर, लीना दिनेश देवांगन, शेखर चंद्राकर, शशि साहू, हर्षिका संभव जैन, पार्षद लीलाधर पाल के साथ स्थल निरीक्षण के लिए पहुंची।

निरीक्षण के दौरान, स्थानीय लोगों ने पानी निकासी की समस्या और इससे हो रही परेशानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। महापौर श्रीमती अल्का बाघमार ने समस्या का जायजा लेते हुए नगर निगम के अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से समाधान करने के लिए सख्त निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि ठगड़ा बांध से पानी को बाहर फेंका जा रहा है, इसकी जांच करवाकर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि ठगड़ा बांध में जलभराव रहना चाहिए, क्योंकि गर्मी के मौसम में पानी का अत्यधिक महत्व है और यह पशु-पक्षियों के जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है।

महापौर ने स्थानीय निवासियों को भरोसा दिलाया कि नगर निगम उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करेगा। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को यह निर्देश दिया कि भविष्य में ऐसी समस्याओं को रोकने के लिए ठोस योजनाएँ तैयार की जाएं। उन्होंने अधिकारियों से ठगड़ा बांध से पानी की निकासी को बंद करने के लिए भी सख्त निर्देश दिए।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./19124/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 24-03-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 19124
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652A00125** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SHIRIN ANJUM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **IRFAN ALI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SK MUJIBAR RAHMAN** पिता/पति श्री/श्रीमती **SHEKH AZAD BUX** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./19149/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 21-03-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 19149
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652D00391** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **NAVIN PRASAD** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NARAYAN PRASAD** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DEVENDRA KUMAR SHARMA** पिता/पति श्री/श्रीमती **GANESH RAM SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./19054/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 24-03-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 19054
वार्ड का नाम- 65 - महामाया मंदिर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 65 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR662C00365** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **BHAGWATI RAM DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JIVRAKHAN DEWANGAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **VIJAY KUMAR CHANDRAKAR** पिता/पति श्री/श्रीमती **PAWAN KUMAR CHANDRAKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./19053/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 24-03-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 19053
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652F00748** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MAHESH DHANGAR S/O DOMU RAM, 2. SHARDA W/O MAHESH, 3. SHEKHAR, 4. JIGYASHA, 5. ROHIT PAL, 6. DOMU RAM S/O UMA RAO** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MAHESH DHANGAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **JYOTI THAKUR** पिता/पति श्री/श्रीमती **D/O RAMESH SINGH THAKUR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./17171/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2025
रायपुर, दिनांक 14-01-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 17171
वार्ड का नाम- 15 - ने. कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107L00300** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RASHMI SEJPAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHETAN SEJPAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SARASWATI SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GEND LAL SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./19252/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 24-03-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 19252
वार्ड का नाम- 59 - मोरेश्वर राव गद्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 59 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR651B00351** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SHREE NUNKARAN DAS** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ARJUN DAS** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SNEHLATA AGRAWAL** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O SURESH KUMAR AGRAWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./19180/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2025
रायपुर, दिनांक 25-03-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 19180
वार्ड का नाम- 55 - रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR651E00028** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. REENA OJHA , 2. GOUTAM KUMAR OJHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GOUTAM KUMAR OJHA , LATE. RAJNARAYA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHEELA DUBEY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GYANESH DUBEY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./19162/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2025
रायपुर, दिनांक 25-03-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 19162
वार्ड का नाम- 55 - रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR651D00588** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PRATIMA CHANDEL, TRILOKI KOSHLE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **TRILOKI PRASAD KOSHLE, JAGGANATH RAO KOSHLE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DEVANAND CHOUTEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SW. BHAGWAN DAS CHOUTEL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./19148/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2025
रायपुर, दिनांक 25-03-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 19148
वार्ड का नाम- 55 - रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR651D00553** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KU. ANNIE JAISWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MAHENDRA KUMAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **JOGESWAR SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DOLMANI SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./19118/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2025
रायपुर, दिनांक 25-03-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 19118
वार्ड का नाम- 55 - रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR651G00613** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SAURABH JAIN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHEKHAR JAIN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **LATA JAIN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHEKHAR JAIN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./19332/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2025
रायपुर दिनांक : 25-03-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 19332
वार्ड का नाम- 13- राजीव गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 13 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR222C00264** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MR. SUKDEV PRASAD, SAHDEV PRASAD** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O LATE. SHIVCHARAN DAS** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती रंजनी साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति - स्व. श्री प्रताप साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **मलमा बिक्रीनामा एवं शपथ पत्र** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 891 दिनांक 24.03.2025
वार्ड का नाम- खुबचंद बघेल वार्ड
वार्ड क्र. 33 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **33** मांग **पंजी क्र. 65 युआईडी 28136** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **रोहित जैन / स्व. गोवर्धन जैन** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **विनीता जैन / रोहित जैन** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **23-04-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

किसान मेला का आयोजन किसान हित में एक महत्वपूर्ण कदम: विधायक भूलन सिंह मरावी

जिला स्तरीय किसान मेला सह कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-आज जिला मुख्यालय सूरजपुर के ऑडिटोरियम में एक्सटेंशन रिफॉर्म्स (आत्मा) योजनांतर्गत जिला स्तरीय एक दिवसीय किसान मेला सह कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी के मुख्य आतिथ्य एवम कलेक्टर श्री एस जयवर्धन की उपस्थिति में किया गया। इस दौरान जिले के कृषि विभाग एवं सम्बद्ध विभाग पशुधन विभाग, मत्स्य विभाग, उद्यानिकी विभाग के जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा विभाग अंतर्गत शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके अलावा उपस्थित कृषि वैज्ञानिकों द्वारा भी किसानों को फसल और पशु सम्बंधी बीमारियों, अधिक पैदावार के लिए अपनाए जाने वाले उपायों सहित कृषि उत्पादकता बढ़ाने सम्बंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। विशेषज्ञों द्वारा कीटनाशकों के जरूरत से ज्यादा मात्रा में प्रयोग के नुकसान के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही कीटों से रोकथाम के लिए प्रयोग किए जा रहे नवीन तकनीकों के बारे में जानकारी दी गई। कृषि विभाग द्वारा आयोजित इस मेला में अखिल भारतीय समन्वित मधुमक्खी पालन एवं परागण सहायक कीट अनुसंधान परियोजना एवम उद्यान विभाग के स्टॉल का प्रदर्शन किया गया। साथ ही निशुल्क बहुउद्देशीय पशु चिकित्सा शिविर, प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना अंतर्गत एनएफडीपी पोर्टल पर मत्स्य किसानों हेतु वृहद पंजीकरण कैंप का आयोजन भी किया गया। साथ ही इस अवसर पर ड्रिप सिंचाई सहित कृषि के उन्नति के लिए जानकारी मुहैया करने हेतु स्टॉल का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर मधुमक्खी पालन के दौरान उपयोग की जा रही तकनीकों और सावधानियों के बारे में बताया गया। साथ ही कृषि की नवीन तरीकों, फसलों को विभिन्न किस्मों, सिंचाई के पद्धतियों सहित अन्य जानकारियां प्रदान की गई।

इस दौरान रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल ,श्री मुरली मनोहर सोनी,जनपद अध्यक्ष , जिला पंचायत सदस्य, ,जनपद पंचायत सदस्य सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवम कृषकजन उपस्थित थे। इस अवसर पर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी ने सभा में किसानों को कृषि में लाभान्वित करने के लिए इस तरह के मेले के आयोजन को महत्वपूर्ण कदम बताते हुए किसान हित के लिए बेहद आवश्यक कहा। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से इस तरह के कार्यक्रम से किसान कृषि की पैदावार बढ़ाने के उपायों, नवीन तकनीकों के बारे में जानकारी मिलती है। उन्होंने बताया कि विभिन्न योजनाओं के माध्यम से राज्य शासन किसानों को नवीन कृषि पद्धति अपनाने और फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करते हुए विभिन्न सहायता प्रदान कर रहा है। उन्होंने किसानों को अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए पशुपालन, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन, सुकर पालन जैसे व्यवसाय से भी जुड़ने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इसके लिए भी सरकार लोगों को विभिन्न योजनाओं के जरिए सहायता प्रदान कर रहा है। इस अवसर पर कलेक्टर श्री एस जयवर्धन ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों की समस्याओं का निदान करना है। इसके लिए जरूरी है कि अधिकारियों, वैज्ञानिकों और किसानों के मध्य सूचनाओं का आदान प्रदान होते रहे। उन्होंने सभी किसानों से अनुरोध किया कि सभी किसान शत प्रतिशत रूप में अग्रिस्टेक में पंजीयन कराएं। इस दौरान उन्होंने सभी किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी अपने आधार कार्ड को अवश्य रूप से अद्यतन कराएं।

नगर का लाडला युवा सामाजिक कार्यकर्ता पीयूष तिवारी का विभिन्न संगठन ने मनाया जन्मदिन

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)-विश्रामपुर नगर पंचायत निवासी युवा लाडला सामाजिक कार्यकर्ता पीयूष तिवारी का लोगों ने धूमधाम से मनाया जन्मदिन।

जानकारी के अनुसार एसईसीएल बिश्रामपुर के फिल्टर प्लांट में विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों ने नगर के युवा लाडला एवं सभी का चहेता सामाजिक कार्यकर्ता पीयूष तिवारी का 35 व जन्मदिवस धूमधाम से मनाया ।विभिन्न संगठनों से जुड़े हुए लोगों ने सामूहिक रूप से जन्मदिन आयोजन में सम्मिलित हुए और पीयूष तिवारी को जन्मदिन की बधाई दे ,वही सब के लाड़ला पीयूष तिवारी ने बड़ों का पैर छूकर आशीर्वाद प्राप्त किया अपने जन्मदिन पर लोगों का आशीर्वाद पाकर भाव विभोर पीयूष तिवारी ने हृदय से सबको धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि आप सब इसी तरह से हमारे ऊपर आशीर्वाद एवं कृपा बनाए रखिएगा ।उक्त अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार नरेंद्र जैन , कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश धनोदिया, कृष्ण कुमार सिंह राजू, विक्रांत सिंह टुनटुन, चंदन सिंह ,तपन विश्वास, नगर पंचायत बिश्रामपुर के नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह चौहान , एच एम एस नेता परमजीत सिंह पम्मे , यूवा श्रमिक नेता अजीत यादव ,सहित तपन विश्वास, दीपक साहू ,पुष्पेंद्र सिंह ,राघवेंद्र दुबे आदि लोग शामिल थे

जिले के 40 बच्चों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर प्रशिक्षण देगा इंटेल

महासमुंद(विश्व परिवार)। शिक्षा महासमुंद द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वर्तमान प्रासंगिकता को देखते हुए जिले के सरकारी स्कूलों के छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की विस्तृत जानकारी देने के लिए, पांच दिवसीय कार्यशाला ए आई स्किलिंग कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला में इंटेल के ए आई एक्सपर्ट द्वारा चयनित 40 छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर हैंड्स ऑन प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण 24 मार्च से 28 मार्च तक होना है, जिसमें छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बेसिक्स, प्रोग्रामिंग, का प्रशिक्षण देकर छात्रों द्वारा चयनित समस्याओं का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के आधार पर समाधान परक प्रोजेक्ट बनवाए जाएंगे। गौरतलब है कि इसके पूर्व 2021 में जिले के शासकीय कुलदीप निगम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरा के 50 छात्रों को इंटेल ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर प्रशिक्षण दिया था, जिसके बाद यहां के 2 छात्रों ने भारत सरकार द्वारा आयोजित ऐ आई फॉर यूथ प्रतियोगिता के टॉप20 में स्थान बनाकर केंद्रीय मंत्री से सम्मानित हुए थे। वर्तमान में चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, सहित अधिकांश क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक का बहुतायत से उपयोग हो रहा है। ऐसे में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक की जानकारी स्कूली छात्रों को होने से भविष्य के रोजगार के लिए छात्रों को तैयार किया जा सकता है।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो किया साझा, पुलिस ने युवती को दी समझाईश

कवर्धा(विश्व परिवार)। हाल ही में एक युवती रिया द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर पुलिस थाना के सामने एक वीडियो डाला गया, जिसमें वह थाना और पुलिस से डरने की बात नहीं करती दिखाई दी। यह वीडियो आपत्तिजनक था और इसके कारण पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया। कबीरधाम पुलिस को इस वीडियो के बारे में जानकारी मिली और उन्होंने मामले की गंभीरता को समझते हुए जाँच शुरू की। पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल के निर्देश, डीएसपी कृष्णा चंद्राकर के मार्गदर्शन पर जिले की कोतवाली पुलिस और साइबर टीम ने युवती की पहचान की और उसे पुलिस थाना बुलाया। कोतवाली थाना प्रभारी लालजी सिन्हा ने युवती रिया को ऐसा वीडियो बनाने के गंभीर परिणामों के बारे में समझाया। साथ ही, पुलिस ने उसे आगाह किया कि भविष्य में इस प्रकार की गतिविधियों से बचें, क्योंकि सोशल मीडिया पर इस तरह के वीडियो डालने से न केवल व्यक्तिगत सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है, बल्कि यह कानून और व्यवस्था की स्थिति को भी प्रभावित कर सकता है। युवती रिया ने अपनी गलती को समझते हुए पुलिस से माफी मांगी और भविष्य में ऐसी किसी भी घटना को नहीं दोहराने का आश्वासन दिया। पुलिस ने इस मामले में कड़ी निगरानी रखने की बात की और यह भी स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर ऐसी हरकतें करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शासकीय विद्यालयों में दिव्यांग जनों के लिए विशेष शिक्षक भर्ती की अनुमति सरकार ने दी

स्पेशल बी.एड एवं स्पेशल डी.एड शिक्षकों की नियुक्ति प्रारंभ - विजयराज अग्रवाल

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)-छत्तीसगढ़ शासन स्कुल शिक्षा विभाग द्वारा ये अधिसूचना जारी की गई है कि छत्तीसगढ़ राज्य के राज्यपाल द्वारा भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों के द्वारा छत्तीसगढ़ स्कुल शिक्षा सेवा भर्ती एवं 'पदोन्नति नियम 2019 में अग्रतर संशोधन के द्वारा प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में स्पेशल एजुकेटर्स की नियुक्ति के आदेश जारी किये है। इस संबंध में और विस्तृत जानकारी देते हुए संस्था सरगुजा ज्ञानोदय एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं स्पेशल एजुकेशन कालेज के संचालक विजयराज अग्रवाल ने बताया कि इस आदेश के तहत् प्राथमिक विद्यालयों में 140, माध्यमिक विद्यालयों में 232 एवं उच्चतर माध्धमक विद्यालयों में 476 स्पेशल एजुकेटर्स की नियुक्ति के तहत् आगामी शैक्षणिक सत्र् 100 स्पेशल एजुकेटर्स की नियुक्ति की जावेगी। इन नियुक्तियों के तहत् स्पेशल एजुकेटर्स (प्राथमिक) के लिये वांछनीय योग्यता भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से डी.एड. स्पेशल एजुकेशन उत्तीर्ण होना और भारतीय पुनर्वास परिषद में पंजीकृत होना चाहिये। स्पेशल एजुकेटर्स (माध्यमिक) के लिये वांछनीय योग्यता भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से बी.एड. स्पेशल एजुकेशन उत्तीर्ण होना और भारतीय पुनर्वास परिषद में पंजीकृत होना चाहिये एवं स्पेशल एजुकेटर्स (उच्चतर माध्यमिक) के लिये वांछनीय योग्यता भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से बी.एड. स्पेशल एजुकेशन उत्तीर्ण होना और भारतीय पुनर्वास परिषद में पंजीकृत होना चाहिये और अंग्रजी, हिन्दी, इतिहास, राजनीति विज्ञान, समाज शास्त्र, संगीत में विषय में 50 प्रतिशत अंको के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। विजयराज अग्रवाल ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन स्कुल शिक्षा विभाग मंत्रालय द्वारा आदेश क्रमांक एफ 5-55 (ए)/2022/20-तीन नया रायपुर दिनांक 21-03-2025 के द्वारा कुल 848 पदों में से वर्तमान में 100 पदों की भर्ती हेतु अनुमति प्रदान की गयी है। विजयराज अग्रवाल ने आगे बताया कि समस्त शासकीय विद्यालयों में ये भर्ती की जावेगी। छत्तीसगढ़ राज्य के दिव्यांगजनों की शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले समस्त स्पेशल एजुकेटर्स के लिये ये अत्यंत हर्ष का विषय है कि उन्हे शासकीय सेवा में जाने का अवसर प्राप्त हो रहा है और शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग विद्यार्थियों के लिये भी सुखद है कि उन्हे प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षकों से अपनी शिक्षा संबंधी विषमताओं का निराकरण तत्काल मिल सकेगा।

जिला पंचायत सीईओ ने किया पीएम आवास का समीक्षा

निर्माण कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)-सर्वे या अन्य समस्या के लिए हेल्पलाइन नंबर पर कर सकते है संपर्क 9244049285

प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग छत्तीसगढ़ शासन ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण करने, नए आवास स्वीकृति करने, छूटे हुए पात्र हितग्राहियों का आवास प्लस में नाम जोड़ने तथा 30 मार्च को नवनिर्मित प्रधानमंत्री आवासो में लाभार्थियों का गृह प्रवेश कराने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए है। इस सम्बन्ध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू ने जिला पंचायत सभा कक्ष में जनपद पंचायत ओडगी, प्रतापपुर एवं प्रेमनगर की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि जिले में वर्ष 2016 से 2023 तक स्वीकृत 37 हजार 568 आवासों में से 35 हजार 557 आवास पूर्ण हो चुके है। शेष बचे आवासों को जल्द पूर्ण करने एवं कभी नहीं बन सकने वाले आवासों को 30 मार्च तक भारत सरकार द्वारा पोर्टल पर एंट्री करने का विकल्प प्रदाय किया गया है। ताकि आगे की कार्यवाही पूर्ण हो सके।

जिला पंचायत सीईओ ने वर्ष 2024-25 में 25 हजार 517 आवासों के लिए प्रथम किस्त और 13 हजार 22 आवासों के लिए दुसरी किस्त जारी हो चुकी है इनके निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए जनपद पंचायत में पदस्थ सीईओ जनपद पंचायत, एसडीओ ऋश्वस, पीओ नरेगा एवं आवास टीम को निर्देशित की गया है।

साथ ही छूटे हुए पात्र परिवारों को आवास योजना का लाभ प्रदान किए जाने के लिए वर्ष 2018 में तैयार किए गए आवास प्लस की सूची को नए मापदंड अनुसार संशोधित किया गया है। नए मापदंड के आधार पर सभी छूटे हुए पात्र परिवारों को आवास प्लस सूची में 30 अप्रैल तक पूर्ण करने के लिए निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पंचायत के अधिकारीगण एवं जनपद पंचायत के सीईओ तथा योजना के सम्बन्धित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहें।

संक्षिप्त समाचार

प्रोफेसर भर्ती प्रक्रिया पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

बिलासपुर(विश्व परिवार)। अटल बिहारी वाजपेयी यूनिवर्सिटी में यूजीसी के नियमों को दरकिनार कर प्रोफेसर की भर्ती का मामला सामने आया है। हाईकोर्ट ने याचिका पर सुनवाई के बाद नियुक्ति प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। साथ ही, मामले में यूनिवर्सिटी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। दरअसल, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय ने प्रोफेसर (कॉमर्स) के पद पर नियुक्ति के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की है। डा. राजेश कुमार शुक्ला ने भी भर्ती के लिए आवेदन किया। उन्होंने अपने वकील के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इसमें बताया गया कि भर्ती प्रक्रिया में यूजीसी रेगुलेशन 2018 का उल्लंघन किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने योग्यता नहीं रखने वाले उम्मीदवारों के आवेदन का त्रुटिपूर्ण सत्यापन किया है। साथ ही, उन्हें साक्षात्कार के लिए योग्य घोषित कर दिया है, जो नियमों के खिलाफहै। याचिका में बताया गया है कि प्राध्यापक पद के लिए यूजीसी रेगुलेशन 2018 में स्पष्ट नियम निर्धारित है। इसके अनुसार असिस्टेंट प्रोफेसर या एसोसिएट प्रोफेसर प्रोफेसर पद के लिए आवेदन तभी मान्य होगा, जब उसका कुल मासिक वेतन 7वें वेतनमान में नियुक्त सहायक प्राध्यापक या सह-प्राध्यापक के वेतन से कम न हो। वर्तमान में 7वें वेतनमान के अनुसार सहायक प्राध्यापक का कुल वेतन 1,30,000/- रुपए से अधिक होना चाहिए। सत्यापन के लिए इनकम टैक्स रिटर्न (आइटीआर) या फर्म-16 की जांच आवश्यक है। याचिका के अनुसार अगर कोई आवेदक निजी महाविद्यालय या विश्वविद्यालय से है, तो उसका शैक्षणिक अनुभव तभी मान्य होगा जब उसकी नियुक्ति संवैधानिक चयन समिति के माध्यम से हुई हो। लेकिन, यूनिवर्सिटी ने बिना नियम के प्राइवेट कॉलेज के प्रोफेसर को भर्ती प्रक्रिया में शामिल कर लिया है।

पाम मॉल में विशाल रक्त दान शिविर का आयोजित

कोरबा(विश्व परिवार)। पाम मॉल में रविवार को सुबह 10 बजे से रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया है जो शाम 6 बजे तक चलेगा। शिविर का आयोजन रोटरी क्लब, छत्तीसगढ़ हेल्थ वेलफेयर, बजरंग दल, बजरंगी सेना, निरूस्वार्थ सेवा संस्थान एवं बालाजी ब्लड बैंक के सहयोग से शहीद दिवस के उपलक्ष पर वीर स्वतंत्रता सेनानियों को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए किया गया। शिविर में 12 बजे तक 70 यूनिट रक्त इक्ट्ठा किया जा चुका है। आयोजन समिति ने बताया कि लोगों द्वारा रक्त दान करने से दिल की सेहत में सुधार, दिल की बीमारियों और स्ट्रोक के खतरे को कम माना जाता है। खून में आयरन की ज्यादा मात्रा दिल के दौरे के खतरे को बढ़ा सकती है। नियमित रूप से रक्तदान करने से आयरन की अतिरिक्त मात्रा नियंत्रित हो जाती है। जो दिल की सेहत के लिए अच्छी है। उन्होंने बताया कि कई बार मरीजों के शरीर में खून की मात्रा इतनी कम हो जाती है कि उन्हें किसी और व्यक्ति से ब्लड लेने की आवश्यकता पड़ जाती है। ऐसी ही इमरजेंसी स्थिति में खून की आपूर्ति के लिए लोगों को रक्तदान करने के लिए आगे आना चाहिए। इससे जरुरत मंद की मदद हो सकेगी। इस रक्तदान शिविर को लेकर लोगों में काफी उत्साह देखा गया।

अखबार वितरक संघ ने कृष्णा गौण शास्त्री को किया सम्मानित

कोरबा(विश्व परिवार)। आरएसएस नगर में कपिलेश्वर नाथ महिला मंडल सेवा समिति द्वारा श्रीमद् भागवत कथा आयोजन करा रहे जिसमें छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ ने प्रसिद्ध कथा वाचक कृष्णा गौड़ शास्त्री जी को उनका मनमोहक चित्र सप्रेम भेंट किया। यह समारोह कपिलेश्वर महादेव के पवन सान्निध्य में आयोजित किया गया था, जहां बृंदावन से पधारे भागवत के परम विद्वान भागवत किडकर कृष्ण शास्त्री (ब्रजवासी) महाराज ने कथा का वाचन किया। कथा के पांचवें दिन, भगवान की बाल लीलाओं को श्रवण किया गया महाराज ने बताया कि भगवान ने गोपियों के मनोभावों को जानकर घर-घर में माखन चोरी की। कथा के माध्यम से गोवर्धन पूजा और मानसिक परिक्रमा लगाकर सभी भक्त आनंद से सराबोर हुए। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ के पदाधिकारी जिला अध्यक्ष विपेन्द्र कुमार साहू, जिला सचिव जय सिंह नेताम, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी राठौर, प्रवक्ता अनिल गिरी और भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कथा वाचक कृष्णा गौड़ शास्त्री को सम्मानित करने के लिए छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ के सदस्यों ने उनका फेटो सप्रेम भेंट किया। यह समारोह एक सुंदर और भावपूर्ण आयोजन था, जिसमें सभी उपस्थित लोगों ने भगवान की कथा का आनंद लिया और कथा वाचक कृष्णा गौड़ शास्त्री जी को सम्मानित किया। इस अवसर पर व्यास जी महाराज से आशीर्वाद लेने पहुंचे और यह समारोह एक सुंदर और भावपूर्ण आयोजन था, जिसमें सभी उपस्थित लोगों ने भगवान की कथा का आनंद लिया और कथा वाचक कृष्णा गौड़ शास्त्री को सम्मानित किया।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर बुधवार 26 मार्च 2025

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

जब दो फर्स्ट टकराएं

बात टिप्पणियों की हो, या ठोस कदमों की- ट्रंप ने भारत के प्रति कोई नरमी नहीं दिखाई है। ऐसे में 'इंडिया फर्स्ट' और ट्रंप शासन के बीच बराबरी के स्तर पर तालमेल कैसे बन सकता है, यह लाख टके का सवाल है। प्रधानमंत्री ने पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन से कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप से उनके लगाव का आधार यह है कि वो दोनों अपने-अपने राष्ट्रों को सर्वोपरि रखते हैं। उन्होंने 'अमेरिका फर्स्ट' के प्रति ट्रंप की प्रतिबद्धता की दिल खोल कर तारीफ की और जोड़ा कि 'मैं भी अपने राष्ट्र को सर्वोपरि रखने में यकीन करता हूं'। यूरोप से लेकर उत्तर अमेरिका एवं एशिया के विकसित देशों से लेकर विकासशील दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में नरेंद्र मोदी की इस टिप्पणी को संभवत: कौतुक-भरी प्रतिक्रिया के साथ सुना गया होगा। इसलिए कि ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति से यूरोप से लेकर कनाडा, मेक्सिको और दक्षिण कोरिया तक में पुराने सहयोग टूटने की आशंका छायी हुई है। ग्लोबल साउथ के जिन हिस्सों पर ट्रंप का डंडा पड़ा है, वहां व्यग्रता का माहौल है। वैसे भारत भी उनकी नीतियों के प्रभाव से बचा हुआ नहीं है। भारतीय कारोबार जगत के एक-एक हिस्से में अमेरिकी बाजार में टैरिफ की खड़ी हो रही बाधाओं से जैसी चुनौती आ खड़ी हुई है, उससे वहां फैली बेचैनी की झलक रोज मीडिया की सुर्खियों में देखने को मिलती है। यह स्पष्ट हो चुका है कि ट्रंप के नजरिए में दोस्त, सहयोगी, प्रतिस्पर्धी और दुश्मन के बीच ज्यादा फर्क नहीं है। उनका पैमाना है कि किससे 'अमेरिका फर्स्ट' के लिए कितना फायदा मिल सकता है। उनकी शैली का दूसरा प्रमुख जाहिर हुआ पहलू है कि वे शक्ति का सम्मान करते हैं। उनकी नजर में जिसके पास ताकत है, उससे वे विशेष ढंग से पेश आ रहे हैं। जो इस श्रेणी में नहीं आते, उनके लिए उनका संदेश है कि 'अमेरिका फर्स्ट' के अनुरूप ढल जाओ अथवा अमेरिकी ताकत को भुगतने के लिए तैयार रहो! ऐसा नहीं लगता कि वे भारत को शक्तिशाली देशों की श्रेणी में गिनते हैं। बात टिप्पणियों की हो, या ठोस कदमों की- उन्होंने भारत के प्रति कोई नरमी नहीं दिखाई है। ऐसे में 'इंडिया फर्स्ट' और ट्रंप शासन के बीच बराबरी के स्तर पर तालमेल कैसे बन सकता है, यह लाख टके का सवाल है। तो क्या मोदी भी शक्ति के अनुरूप सम्मान और अपमान का नजरिया रखते हैं?

औरंगजेब की कब्र पर बढ़ता विवाद....

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

पिछले कुछ अरसे से महाराष्ट्र के लोग भी गुस्से में हैं। सबसे पहले उन्होंने मांग की कि अहमदनगर, जहां औरंगजेब मरा था, का नाम अहिल्या बाई होल्कर के नाम पर अहिल्यानगर किया जाए। सरकार ने लंबे संघर्षों के बाद यह मांग पूरी कर दी शैतानी रूहों के बारे में कहा जाता है कि वे अपनी कब्र से बार-बार बाहर निकलती रहती हैं। यत्नपूर्वक इन शैतानी रूहों को लोग कब्र में दबाते हैं, लेकिन कुछ साल बाद वे फिर बाहर आकर अपना शैतानी खेल शुरू कर देती हैं। मुगल खानदान के बादशाह औरंगजेब के साथ भी यही हो रहा है। उसने जिंदा रहते हुए भी लोगों पर अमानुषिक अत्याचार किए और मरने के बाद भी उसका यह खेल जारी है। सबसे पहले, औरंगजेब नाम का यह शख्स कौन था? इसका ताल्लुक मध्य एशिया से है और यह वहां के तुर्क समाज से ताल्लुक रखता था। यह बाबर के खानदान का था। बाबर के खानदान ने हिंदुस्तान पर हमला करके यहां अपना राज स्थापित किया था। इतिहास में इसे मुगल खानदान के नाम से जाना जाता है। बाबर के बाद उसका बेटा हुमायूं, उसके बाद अकबर, जहांगीर, शाहजहां और उसके बाद औरंगजेब ने सत्ता संभाली थी। लेकिन आगे बढने से पहले यह जान लेना भी जरूरी है कि जब मुगल खानदान ने भारत के बड़े हिस्से पर कब्जा किया, तब भी यहां मध्य एशिया के सुलतानों का ही राज था। सुलतानों का यह राज 1100-1200 ईस्वी सन् के आसपास शुरू हो गया था। बाबर ने इब्राहिम लोधी को परास्त करके उत्तरी भारत के बड़े हिस्से पर कब्जा जमाया था। किस्सा कोताह यह कि मुगल अपनी सल्तनत को पूरे हिंदुस्तान में फैलाने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन हिंदुस्तान के लोग उनको खदेडने की कोशिश भी कर रहे थे। वैसे गहराई से देखा जाए तो मुगलों के इन हमलों को सबसे पहली चुनौती सप्तसिंधु में ही गुरु नानक देव जी ने दी थी। गुरु नानक देव जी द्वारा रचित बाबर वाणी इसकी गवाही देती है। नानक देव जी इस हमले को 'जम (यमराज) कर मुगल चढ़ाईया' कहते हैं और इसको 'हिंदुस्तान डराइया' भी कहते हैं। जाहिर है कि सप्त सिंधु/पंजाब ने तो इस मुगल सत्ता को शुरू से ही चुनौती देनी शुरू कर दी थी। लेकिन मुगल सत्ता को दूसरी सबसे बड़ी चुनौती दक्षिण के पठारों में मराठों से मिली। शिवाजी मराठा के नेतृत्व में मराठों ने बहुत बड़े क्षेत्र को मुगलों से आजाद करवा कर 1674 में हिंदवी साम्राज्य यानी हिंदुस्तानियों के अपने राज की स्थापना की। इधर सप्त सिंधु/पंजाब क्षेत्र में दशगुरु परंपरा, जिसका पौधा गुरु नानक देव जी ने लगाया था, का प्रभाव बढ़ता जा रहा था। अफगानिस्तान से लेकर दिल्ली तक नया उत्साह संचार हो रहा था। इसका प्रभाव इतना बढ़ा कि पश्चिमोत्तर भारत के लोगों ने पांचवें गुरु श्री अर्जुन देव जी को 'सच्चा पातशाह' कहना शुरू कर दिया। यानी मुगल बादशाह तो झूठा है, वह हिंदुस्तान का बादशाह नहीं है। हमारा सच्चा पातशाह ही हिंदुस्तान का बादशाह है। गुरु अर्जुन देव जी ने जन आस्था की रक्षा के लिए मुगलों का सामना किया, उनके आगे झुकने से इंकार कर दिया। मुगल बादशाह जहांगीर की दारुण यातनाओं का सामना करते हुए बलिदान दे दिया। लेकिन यह लड़ाई यहीं खत्म नहीं हुई। मुगल सत्ता पर औरंगजेब बैठा। लेकिन गद्दी पर कब्जा करने से पहले उसने अपने सभी भाइयों को मरवा दिया। 'मरवा दिया' कहने मात्र से शायद स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाएगी। अपने बाप शाहजहां को कैद में डालने के बाद, औरंगजेब ने अपने भाई दारा शिकोह का सिर काट कर उसे थाल में सजा कर, शाहजहां को तोहफे के रूप में पेश किया। दक्षिण के पठारों में 1674 में हिंदवी राज की स्थापना ने औरंगजेब को हिला दिया था। इधर दशगुरु परंपरा के आंदोलन ने सप्त सिंधु/पंजाब क्षेत्र की हवा बदलनी शुरू कर दी थी। औरंगजेब के अत्याचार बढ़ते जा रहे थे, वह पूरे हिंदुस्तान को 'दारुल इस्लाम' बना देना चाहता था। लेकिन दक्षिण में नींव हिल गई थी और इधर पंजाब विरोध में आ खड़ा हुआ था। इसका नेतृत्व नवम गुरु श्री तेग बहादुर जी कर रहे थे। इतिहास ने औरंगजेब के अत्याचारों की पराकाष्ठा भी देखी और श्री गुरु तेग बहादुर और उनके तीन साथियों के प्रतिरोध की क्षमता भी देखी। मतिदास जी, सती दास जी, भाई दियाला जी के किस निर्दयता से प्राण लिए गए, इसे कैसे भूला जा सकता है? गुरु तेग बहादुर जी का सिर तलवार के वार से धड़ से अलग कर दिया गया। उन्होंने बलिदान दे दिया, लेकिन इस्लाम स्वीकार नहीं किया। यह दु:खांत 1675 का है। 1680 में शिवाजी मराठा का देहावसान हो गया। इस नए साम्राज्य की बागडोर उनके सुपुत्र संभा जी महाराज ने संभाली। वह अपने राज्य को मजबूत करने के प्रयास में लगे थे। औरंगजेब चाहता था इस हिंद स्वराज का विस्तार होने से पहले-पहले किसी भी तरह इस पर कब्जा किया जाए। आरपार की लड़ाई थी। लेकिन 1689 में छत्रपति संभाजी महाराज पकड़े गए। अब 'टोपियां बना कर घर का खर्चा चलाने वाले औरंगजेब' का असली रूप सामने आया। वैसे उसका एक रूप पूरा हिंदुस्तान पहले दिल्ली के चांदनी चौक में भी देख चुका था। इस बार फिर औरंगजेब ने छत्रपति संभाजी महाराज के साथ क्रूरता की सारी हदें पार कर दी थीं। औरंगजेब की एक ही मांग थी- इस्लाम मजहब को स्वीकार करो। वह गुरु तेग बहादुर जी से भी यही मांग कर रहा था। उसको लगता था गुरु जी इस्लाम में आ जाएंगे तो शेष भारतीयों को मतांतरित करना आसान हो जाएगा। वह अब भी यही मान रहा था कि यदि शिवाजी महाराज का बेटा मुसलमान हो जाएगा तो दक्षिण के पठारों में तो इस्लाम का झंडा फहराने ही लगेगा। लेकिन संभाजी दृढ़ थे। औरंगजेब ने उसके नाखून निकलवा दिए, आंखें फोड़ दीं और अंत में उनकी जुबान काट दी। अंत में औरंगजेब ने संभाजी का सिर कटवा दिया। लेकिन औरंगजेब के भीतर का पशु इतने पर भी शांत नहीं हुआ। उसने संभाजी के शरीर के कई टुकड़े करवा कर नदी में फिंकवा दिए। औरंगजेब इसी को अपनी जीत समझ रहा था। लेकिन भारत भी अंगड़ाई ले रहा था। उसकी एक आहट सप्त सिंधु में सुनाई दे रही थी, जब दशम गुरु गोबिंद सिंह जी ने पुआध क्षेत्र में खालसा पंथ की स्थापना करके भारतीय इतिहास में एक नया अध्याय रच दिया। चमकौर की लड़ाई के बाद गुरु गोविंद सिंह जी ने औरंगजेब को जफरनामा यानी जीत की चिट्ठी लिखी। इस चिट्ठी ने औरंगजेब का काला चिट्ठा इतिहास में सुरक्षित कर दिया। 1707 में औरंगजेब अहमदनगर में सुपुर्दे खाक हो गया। उधर खालसा पंथ ने जम्मू कश्मीर के बंदा बहादुर के नेतृत्व में पश्चिमोत्तर भारत में मुगल साम्राज्य की नींव हिला दी। औरंगजेब की लाश पड़ी थी। उसकी वसीयत पढ़ी गई। उसमें लिखा था कि मेरी मौत जहां भी हो, लेकिन मुझे खुल्दाबाद में ही दफनाया जाए जहां मेरे गुरु सैयद जैनुद्दीन शिराजी दफ्न हैं। इसलिए औरंगजेब के बेटे ने उसकी कब्र अहमदनगर में न बना कर खुल्दाबाद में बनवाई। वह कब्र अब भी मौजूद है और भारत सरकार उसकी सार संभाल करती है। अब कब्र की बात। पंजाब में होला मोहल्ला के दिन आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ के प्रतिनिधि निहंग समाज के निहंग बड़ी संख्या में एकत्रित होते हैं। वे दूर महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले के खुल्दाबाद में औरंगजेब की कब्र पर तो जा नहीं सकते। इसलिए वे आनंदपुर में ही औरंगजेब की प्रतीकात्मक कब्र बनाते हैं और जूतों से उसकी निरंतर पिटाई करते हैं। लेकिन पिछले कुछ अरसे से महाराष्ट्र के लोग भी गुस्से में हैं। सबसे पहले उन्होंने मांग की कि अहमदनगर, जहां औरंगजेब मरा था, का नाम अहिल्या बाई होल्कर के नाम पर अहिल्यानगर किया जाए। सरकार ने लंबे संघर्षों के बाद यह मांग पूरी कर दी। तब दूसरी मांग उठी। जिस औरंगजेब ने संभाजी महाराज को इतनी निर्दयता से मारा, उस औरंगजेब के नाम से भारत के किसी शहर का नाम क्यों रखा जाए? सरकार ने औरंगाबाद का नाम भी बदलकर संभाजी नगर कर दिया है।

आलेख

सब तो एक-दूसरे से छिटके हुए.....!

हरिशंकर व्यास

इन दिनों बेंगलुरू में आरएसएस की प्रतिनिधि सभा की बैठक हो रही है। आरएसएस के सौ साल होने के समय की इस बैठक के 1,480 प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों के दिल-दिमाग का यदि मैं अनुमान लगाऊं तो सवाल होगा कि क्या नरेंद्र मोदी से इन सबका वह लगाव है, जो 2013-14 में उन्हें भाजपा का नेता तय करते वक्त था? यह गहरा-गंभीर सवाल है। मैं इसके खुलासे में नहीं जाऊंगा। इतना भर नोट करें कि परस्पर संवाद में भी एलर्जी है। अहंकार और परस्पर नफरत की वे बाते हैं, जो दिखावे की मुलाकातों तथा सत्ता के लालच से छुपी हुई हैं। असलियत परस्पर अविश्वास, भय और वह लालच है जो देश की राजनीति में सर्वत्र है। सभी समय के प्रवाह में बहते हुए हैं और सत्य से मुंह चुराते हुए।

ऐसा अटल बिहारी वाजपेयी के समय में नहीं था। वाजपेयी और संघ के सुर्दशन में तब वैचारिक मतभेद बना था लेकिन मनमुटाव नहीं था। अहंकार और ईगो का संकट नहीं था। आडवाणी, पार्टी अध्यक्ष, मंत्रियों आदि सभी के जरिए संघ आलाकमान का वाजपेयी से संवाद था तो परस्पर विचार-विमर्श भी था। फिलहाल सबका मालिक एक, और वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं जो यदि मिल लिए, यदि उन्होंने दर्शन दे दिए तो बड़ी कृपा! इसलिए जो कुर्सी पर है वही परम पूजनीय है और बाकी सब घसियारे हैं। मेहरबानियों पर जिंदा हैं। तभी संघ के प्रतिनिधियों के लिए, सौ वर्ष के मुकाम पर गौरव की बात इतनी भर है कि उनके सपनों का हिंदू राष्ट्र है, जिसमें औरंगजेब जिंदा है!

इस प्रतीकात्मक बात को धर्म, जाति, क्षेत्र, समाज, राजनीति, आर्थिकी सभी पर लागू कर सकते हैं। क्या अडानी और अंबानी के मन मिले हुए हैं? क्या उद्योगपतियों में परस्पर मन से सद्भाव है? क्या अफसरों की जमात पक्षपातों से पैदा खुन्नस नफरत नहीं बनाए हुए है? आखिर हर लेवल पर तो कायदे व नियम को ताक में रख निर्णय हो रहे है। अहम पदों पर नियुक्ति, प्रमोशन और रिटायर होने के बाद बंदरबांट के हर मामले में। ऐसे ही पक्ष-विपक्ष के रिश्तों में आज जैसी दुश्मनी व नफरत है क्या आजाद इतिहास में पहले कभी रही?

दक्षिण के पांच राज्यों तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश का देश की आर्थिकी में तीस प्रतिशत हिस्सा है लेकिन इनके मानस में दिल्ली की सत्ता, उत्तर भारत को लेकर मन ही मन वह नफरत है कि लोगों से बच्चे ज्यादा पैदा करने का आह्वान कर रहे हैं! सोचें, क्या एक्सिट्रम है। भक्त हिंदुओं में मुसलमान से ज्यादा बच्चे पैदा करने की हवाबाजी तो समझ आती है लेकिन उत्तर भारत की संख्या के मुकाबले दक्षिण में संख्या बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्रियों का कहना क्या बताता है?

जाहिर है भय, हताशा और उसके परिणाम में नफरत के लक्षण चारों तरफ हैं। कोई न माने इस बात को लेकिन सत्य है कि महाराष्ट्र में गुजरात और गुजरातियों को लेकर नफरत सुलगी हुई है! ऐसे ही उत्तर पूर्व के राज्यों में नफरत के अलग-अलग भभके हैं। ऊपर से सब ठीक दिखेगा लेकिन स्थानीय बनाम बाहरी, आदिवासी बनाम गैर-आदिवासी, हिंदू बनाम मुस्लिम की नफरत के ढेरों टापू बनते हुए हैं। यदि धर्म की सतह के नीचे की मनोदशा में जातियों का हिसाब लगाएं तो उत्तर प्रदेश हो या बिहार इनमें भी महाकुंभ के साझे के नीचे जातियों में परस्पर विद्वेष लगातार बढ़ते हुए हैं।

इसी वजह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने वह जातिवादी राजनीति बना रखी है, जिसमें जातियों में अपने-अपने चेहरों का घमंड बढ़ता जा रहा है, भले वह लायक हो या न हो! यह सब हिंदू छाते के नीचे फिलहाल छुपा हुआ है लेकिन समय की हवा जब छाते को उड़ाएगी, जब भी विस्फोट होगा तब अचानक सब तितर-बितर हुआ मिलेगा। सवाल है ऐसा सोचना ही क्यों? इसलिए क्योंकि कौम यदि अतीत में, औरगंजेब की कब्र पर वर्तमान बनाती है तो बिखरा होने का इतिहास का लौटना चिंता तो बनाएगा!

अलगाववादी सोच की उपज पाकिस्तान

प्रताप सिंह पटियाल

यदि मजहब की तर्जुमानी करने वाले जिन्ना व इकबाल की द्विराष्ट्र सिद्धांत की सोच सही थी तो बलूचिस्तान, पीओके व सिंध की आजादी पर रायशुमारी होनी चाहिए। बहरहाल सन् 1971 में पूर्वी पाक को बांग्लादेश में तब्दील करके भारतीय सेना ने पाकिस्तान को द्विराष्ट्र सिद्धांत का एहसास पूरी शिद्दत से कराया था 'करदे फक्त इशारा अगर शाहे खुरासान, सजदा न करूं भारत की नापाक जमीन पर' अर्थात अगर तुर्की का खलीफा इशारा भी कर दे तो भारत की नापाक जमीन पर इबादत भी न करूं। पाकिस्तान के कौमी शायर 'अल्लामा इकबाल' ने अविभाजित हिंदोस्तान के दौर में 29 सितंबर 1930 को इलाहाबाद में आयोजित 'मुस्लिम लीग' के इजलास में अपनी इस हिकारत भरी नज्म का जिक्र करके भारत विरोधी नजरिए का इजहार सरेआम कर दिया था। बेशक तुर्की के खलीफा को आलम-ए-इस्लाम का एक बड़ा आलमगीर मानकर अल्लामा इकबाल ने शाहे खुरासान जैसी नज्म लिख फक्र महसूस किया था, मगर काबिलेगौर रहे इजरायल के हाइफा शहर में 23 सितंबर 1918 को भारत की 'जोधपुर रियासत' के राजपूत सैनिकों ने उसी तुर्की सल्तनत की चार सौ वर्षों की हुकूमत को अपनी तलवारों से ही खत्म कर दिया था। मेजर 'दलपत सिंह राठौर' 'मिलिट्री क्रॉस' 'द हीरो ऑफ हाइफा' ने इजरायल को तुर्की की गुलामी से आजाद कराकर अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। सन् 1904 में 'तराना ए हिंद' 'सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तान हमारा' की रचना भी अल्लामा इकबाल ने ही की थी। मगर उर्दू के नामवर शायर 'सआदत हसन मंटो' ने कहा था कि यदि 'मजहब दिलों से निकल कर दिमाग पर चढ़ जाए तो जहर बन जाता है।' तराना-ए-हिंद के रचयिता तथा प्रभु श्रीराम को 'इमाम-ए-हिंद' करार देने वाले अल्लामा इकबाल मजहबी कट्टरवाद का शिकार हो गए। अपनी किताब 'कुल्लियाते इकबाल' में अल्लामा ने जिक्र किया था कि उनका ताल्लुक कश्मीर के 'सप्रू' ब्राह्मण परिवार से था, मगर कुछ मजहबी रहनुमाओं से मुतासिर होकर उन्होंने इस्लाम अपना लिया था। इकबाल ने सन् 1910 में 'तराना-ए-मिल्ली' लिखकर भारत विभाजन के मंसूबे जाहिर कर दिए थे। भारत की आजादी के लिए शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव 23 मार्च 1931 को लाहौर जेल में तख्ता-ए-दार पर झूल गए थे। 23 मार्च का दिन भारत में शहीदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इंकलाबी युवा हिंदोस्तान की आजादी के लिए शहीद हो रहे थे, मगर कुछ जमातें भारत विभाजन के मंसूबों में मशगूल थीं। 23 मार्च 1940 को लाहौर के मिंटो पार्क में 'मोहम्मद अली जिन्ना' की कयादत में 'आल इंडिया मुस्लिम लीग' का इजलास हुआ, जिसमें 'लाहौर संकल्प' यानी 'करारदात-ए-लाहौर' पारित करके मजहब के आधार पर अलग मुल्क पाकिस्तान की मांग की गई थी। लाहौर करारदात की याद में 23 मार्च को यौम-ए-पाकिस्तान मनाया जाता है। यदि इतिहास के पन्ने खंगालें तो भारत को खंडित करके पाकिस्तान का तसव्वुर करने वाले अल्लामा इकबाल के साथ और भी कई किरदार बेनकाब होंगे। जम्मू-कश्मीर रियासत में हंदवाड़ा कस्बे के सहाफी 'सैयद गुलाम शाह काजमी' ने जुलाई 1928 में एबटाबाद में 'पाकिस्तान' नाम से उर्दू में साप्ताहिक अखबार के संपादन के लिए दरख्वास्त दायर की थी। लंबी जद्दोजहद के बाद सन् 1936 में गुलाम शाह का पाकिस्तान अखबार एबटाबाद से नसर हुआ, जिसके चलते पाकिस्तान नाम ज्यादा मकबूल हुआ। हालांकि पाकिस्तान अखबार सन् 1938 को बंद कर दिया गया था। 'चौधरी रहमत अली' ने जनवरी 1933 में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से प्रकाशित अपनी एक पाम्पलेट, जिसका शीर्षक 'नाऊ एंड नेवर' था, उसमें 'पाकिस्तान' लफ्ज का जिक्र करके पाकिस्तान का नक्शा भी उकेर दिया था। रहमत अली ने सन् 1934 में पाकिस्तान का मश्विरा मोहम्मद अली जिन्ना को दिया, मगर भारत विभाजन में जिन्ना की कारकर्दगी से रहमत अली इस कदर बरहम हुए कि जिन्ना को 'कायद-ए-आजम' के बजाय 'गद्दार-ए-आजम' कह दिया। नतीजतन पाक वजीरे आजम 'लियाकत अली' की हुकूमत ने रहमत अली की संपत्ति छीन कर उन्हें पाकिस्तान छोडने का फरमान जारी कर दिया था। लफ्ज-ए-पाकिस्तान की तखलीक करने वाले चौधरी रहमत अली तीन फरवरी 1951 को ब्रिटेन में फौत हो गए। 'बान-ए-तहरीक-ए-पाकिस्तान, खालिक एक लफ्ज पाकिस्तान' ये अल्फाज कैम्ब्रिज में रहमत अली की कब्र पर अंकित हैं। अर्थात् पाकिस्तान तहरीक के संस्थापक व पाकिस्तान लफ्ज के निर्माता। लेकिन पाकिस्तान लफ्ज के मुसन्निफरहमत अली के ताबूत को पाकिस्तान में कब्रिस्तान नसीब नहीं हुआ। मय्यत को कंधा देने कोई पाकिस्तानी नहीं गया था। 'मुफ्फिक्कर-ए-पाकिस्तान' अल्लामा इकबाल की निगाहें नए मुल्क पाकिस्तान के हसरत-ए-दीदार से महरूम रह गईं। सिंध, बलूचिस्तान, पंजाब व अफगान 'सूबा-ए-सरहद' को मिलाकर पाकिस्तान बनाने का ख्वाब देखने वाले अल्लामा इकबाल का इंतकाल 21 अप्रैल 1938 को ही हो गया था। द्विराष्ट्र सिद्धांत की वकालत करने वाले मोहम्मद अली जिन्ना पाकिस्तान के वजूद में आने के एक वर्ष बाद सितंबर 1948 को फौत हो गए। पाकिस्तान अखबार के संपादक गुलाम शाह काजमी की सितंबर 1984 में गुमनामी में ही मौत हो गई। रहमत अली, इकबाल व जिन्ना जैसे लोगों का तर्क था कि जब तक मजहब के आधार पर अलग मुल्क वजूद में नहीं आएगा, अमन कायम नहीं होगा। मौजूदा दौर में आतंक की दारुल हुकूमत पाकिस्तान व मजहबी कट्टरपंथ का मरकज बन चुके बांग्लादेश में कितना अमन है, यह पूरी दुनिया के सामने है। यदि मजहब की तर्जुमानी करने वाले जिन्ना व इकबाल की द्विराष्ट्र सिद्धांत की सोच सही थी तो बलूचिस्तान, पीओके व सिंध की आजादी पर रायशुमारी होनी चाहिए।

डिजिटल लत-नशे की चुनौतियां-समाधान

रमेश धवाला

आज हम देखते हैं कि कई अभिनेता और खिलाड़ी शराब और गुटखे के विज्ञापन करते हैं, जो युवाओं को गलत संदेश देते हैं। इसके अलावा, ड्रीम इलेवन और ऑनलाइन गेमिंग को भी इन लोगों के द्वारा प्रोत्साहित किया जा रहा है, जो युवाओं को रातोंरात करोड़पति बनने का सपना दिखाते हैं। यदि हमें युवाओं में मानवीय मूल्यों को बचाना है, तो पहले स्वयं को बदलना होगा। तभी हम दूसरों को बदलने का प्रयास कर सकते हैं। समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए हमें अपने आचरण और विचारों में सुधार करना होगा समाज में अन्याय के विरुद्ध लडने वाले लोग समाज के स्तंभ होते हैं। ये लोग समाज की सांस्कृतिक, धार्मिक और पारंपरिक दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक सुसंस्कृत समाज की कल्पना उसके सदस्यों के आचरण और मूल्यों पर निर्भर करती है। समाज में सुख-शांति और एकता बनाए रखने के लिए सहयोग और एकजुटता आवश्यक है। यही वह धागा है जो मानव समाज को बांधे रखता है और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देता है। मनुष्य के स्वभाव में दया, करुणा, प्रेम, सहनशीलता, कृतज्ञता और मानवीय हास्य-मजाक जैसे गुण होने चाहिएं। ये गुण ही मानव जीवन को सार्थक बनाते हैं। मित्रता, विनम्रता, शिष्टाचार और दूसरों की परेशानियों के प्रति चिंता जैसे गुण सकारात्मकता और अपनेपन का संदेश देते हैं। ये अच्छाइयां ही समाज को रहने योग्य एक सुंदर स्थान बनाती हैं। लेकिन आज के समय में, विशेषकर युवाओं में, इन मानवीय गुणों का ह्रास होता जा रहा है। आज का युवा वर्ग नशे की गिरफ्त में आता जा रहा है। चाहे वह ड्रग्स का नशा हो या मोबाइल फोन और सोशल मीडिया की लत, यह समाज के लिए एक गंभीर समस्या बन गई है। हम सभी इस समस्या से चिंतित तो हैं, लेकिन इसका समाधान ढूंढने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रहे हैं। अधिक धन कमाने के लालच में कुछ लोग युवाओं को नशे के जाल में फंसा रहे हैं, जो न केवल उनके भविष्य के लिए खतरनाक है, बल्कि पूरे समाज के लिए एक गंभीर चुनौती भी है। नशीली दवाओं की समस्या बहुआयामी है। यह केवल कानून और स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक पहलुओं को प्रभावित करती है। इस समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए केवल सरकार या पुलिस प्रशासन पर निर्भर नहीं रहा जा सकता। इसे रोकने के लिए

सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है, जिसमें पुलिस, समाज, परिवार और शिक्षण संस्थानों की समान भागीदारी हो। यदि सामाजिक स्तर पर सहयोग, अनुशासन और सही मार्गदर्शन दिया जाए, तो नशे की प्रवृत्ति को खत्म किया जा सकता है। खेलकूद और प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है, जिससे उन्हें नशे से दूर रहने की प्रेरणा मिलेगी। साथ ही, सरकार को युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने चाहिए, क्योंकि बेरोजगारी भी नशे की ओर प्रेरित करने वाला एक प्रमुख कारक है। दूसरी गंभीर समस्या मोबाइल फोन और सोशल मीडिया का नशा है। आज का युवा वर्ग इस लत से बुरी तरह प्रभावित है। मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से स्वास्थ्य और सुरक्षा दोनों तरह के खतरे पैदा हो रहे हैं। स्वास्थ्य संबंधी खतरों में आंखों पर दबाव बढना, एकाग्रता में कमी, तनाव और चिंता बढना, मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव और अकेलेपन की भावना शामिल हैं। सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी मोबाइल फोन के माध्यम से हैकिंग, निजी जानकारियों का लीक होना और अन्य साइबर अपराधों का खतरा बढ़ गया है। बच्चों के मस्तिष्क पर मोबाइल फोन का अधिक उपयोग और भी हानिकारक प्रभाव डालता है। इसलिए, मोबाइल फोन के सावधानीपूर्वक उपयोग और निगरानी की आवश्यकता है। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को डिजिटल साक्षरता के बारे में शिक्षित करें और उनके स्क्रीन टाइम को सीमित करें। अभी हाल में ही ऑस्ट्रेलिया और चीन ने बच्चों की स्क्रीन टाइम को सीमित करने के संबध में कानून बनाए हैं! भारत सरकार को भी इस दिशा में काम करना चाहिए! युवा वर्ग में मोबाइल की लत इतनी अधिक बढ़ गई है कि वे अपनी पढ़ाई-लिखाई को छोडकर घंटों सोशल मीडिया पर रील्स देखने और बनाने में व्यस्त रहते हैं। यह न केवल उनके शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित कर रहा है, बल्कि उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डाल रहा है। हाल ही में एक समाचारपत्र में पढ़ा कि एक छात्रा ने मोबाइल फोन के उपयोग से रोके जाने के कारण आत्महत्या कर ली। यह घटना हमें समाज के एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम अपने युवाओं को सही दिशा दे पा रहे हैं? यह समय है कि हम इस गंभीर समस्या पर गंभीरता से विचार करें और युवाओं को डिजिटल दुनिया के सही और गलत के बीच अंतर समझाने का प्रयास करें। हमारे समाज में बुराइयां बढ़ती जा रही हैं, लेकिन सतर्कता, जागरूकता, अनुशासन, संयम और अच्छी संगत ही हमें इनसे बचा सकती है। समाज में कुछ पेशेवर लोगों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, बुधवार 26 मार्च 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

जिंदगी राह पर नहीं आती जब तक मौत नजर नहीं आती : मुनिश्री प्रमाणसागर जी महाराज

लालघाटी (विश्व परिवार)। जिसने जन्म लिया उसका मरण निश्चित है,जैसा करोगे बैसा भरोगे, न कोई हमारा है, और न हम किसी के है, बंद मुट्ठी आऐ थे और हाथ पसारे जाना है यही जीवन का सत्य है, और उस सत्य को पहचानो तथा यथार्थ को जानो उपरोक्त चार बातें मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने जैन नगर लालघाटी पर प्रात:कालीन धर्मसभा में कहे।

मुनिश्री ने कहा कि न हम कुछ लेकर आऐ थे और कुछ लेकर जाऐंगे मुट्ठी बंद कर आऐ थे और हाथ पसारे जाऐंगे सपना तभी तक सच दिखता है जब तक आंखों में नींद होती है, नींद खुलते ही उस सपने का भेद खुल जाता है,एक घटना सुनाते हुये मुनि श्री ने कहा एक आदमी सो रहा था सोते सोते सपने में क्या देखता है,कि उसका बहुत बड़ा सामराज्य है जिस पर उसका एक छत्र राज्य है, अचानक काल चक्रघूमता है उस पर पड़ोसी राजा आक्रमण कर देता है तथा उसे गुप्त रास्ते से भागना पड़ता है, भागते भागते उसे भूख लगी तो वह एक स्थान पर खिंचड़ी बंट रही थी और वह भी लाईन में खड़ा हो पत्तल में खिंचड़ी लेता है तथा एक और खाने बैठा ही था कि दो कुत्ते आपस में लड़ते हुये आये और उसकी पूरी खिंचड़ी को बरबाद कर दिया वह घबड़ाया और उसके मुख से एक चीख निकल नींद खुल गई, थोड़ी देर ?में उसनै मन को तसल्ली दी और मन ही मन सोचा न कोई सामराज्य है,और न ही कोई कुत्ता यह तो एक सपना था मुनि श्री ने कहा कि यदि आपको ज्ञात हो जाये कि आपकी मौत बहूत करीब है,तो आप क्या करोगे? काल रुपी सर्प आपके सामने मुंह खोले खड़ा है वह आपको डंसे उसके पूर्व जो करने योग्य कार्य है उनको कर लोगे तो आपका जीवन सार्थक हो जाऐगा। जिसने जन्म लिया है उसकी मृत्यु निश्चित है मुनि श्री ने कहा हम लोग तो उस परंपरा में पले और बड़े हुये है जिनको सिखाया गया है राजा राणा छत्रपति हाथिन के असवार, मरना सबको एक दिन अपनी अपनी बार सबको रटा है और यह आप लोग दूसरों को सुनाने के लिये है या कभी अपनी ओर भी सोचते हो? जिंदगी राह पर नहीं आती जब तक मौत नजर नहीं आती मुनि श्री ने कहा कि यह सत्य आप अपने सामने रखोगे तो आपसे कभी कोई पाप नहीं होगा मुनि श्री ने कहा कि कर्म का संयोग है कब आपकी स्थिति अनुकूल और प्रतिकूल हो जाऐ यह कहा नही जा सकता इसलिये इसमें अभिमान और आसक्ति मत रखो न हम कुछ लेकर आऐ है और न हम लेकर जाऐंगे जिस दिन यह विश्वास तुम्हारे हृदय में वैठ जाऐगा तुम्हारा मन कभी दु:खी नहीं होगा।

उपरोक्त जानकारी मुनिसंघ के साथ चल रहे राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया मुनि श्री के प्रवचन प्रतिदिन श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जैन नगर लालघाटी पर प्रतिदिन 8:30 बजे से चल रहे है तथा सायंकाल 6:25 से लाईव शंकासमाधान कार्यक्रम संपन्न हो रहा है। -**अविनाश जैन**

एफ.पी.ओ. मेले में मिलेंगे विभिन्न प्रसंस्कृत एवं जैविक खाद्य उत्पाद

छत्तीसगढ़ में कृषक उत्पादक संगठनों को बढ़ावा देने तीन दिवसीय मेला सह प्रदर्शनी आज से

रायपुर (विश्व परिवार)। कृषि विश्वविद्यालय परिसर में कल से आयोजित तीन दिवसीय कृषि उत्पादक संगठन मेला सह प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ के विभिन्न कृषक उत्पादक संगठनों द्वारा निर्मित प्रसंस्कृत एवं जैविक खाद्य उत्पाद प्रदर्शन एवं विक्रय हेतु उपलब्ध रहेंगे इनमें सुगंधित जैविक चावल ब्लैक राईस, रेड साईस, ग्रीन राईस, ब्राउन राईस,, दालें, तिलहन, मसाले, मिलेट्स, मल्टीग्रेन आटा, विभिन्न फलों एवं सब्जियों के अचार, जैम, जैली, कैचप, चटनी, पापड़, कच्ची घानी का तेल, मखाना एवं जैविक गुड़ आदि प्रमुख हैं। छत्तीसगढ़ में कृषक उत्पादक संगठनों के गठन एवं गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग, छत्तीसगढ़ शासन तथा लघु कृषक कृषि व्यापार संघ, भारत सरकार नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 26 से 28 मार्च, 2025 तक तीन दिवसीय कृषक उत्पादक संगठन (एफ.पी.ओ.) मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। कृषि महाविद्यालय, रायपुर के कृषि मंडपम् में आयोजित इस तीन दिवसीय एफ.पी.ओ. मेला सह प्रदर्शनी का शुभारंभ दिनांक 26 मार्च, 2025 को प्रात: 11 बजे कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी मंत्री श्री रामविचार नेताम के मुख्य आतिथ्य में किया जाएगा। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में धरसींवा विधायक, श्री अनुज शर्मा, रायपुर ग्रामीण विधायक श्री मोती लाल साहू, महापौर रायपुर नगर निगम, श्रीमती मीनल चौबे उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल करेंगे।

उल्लेखनीय है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय कृषक उत्पादक संगठन मेला सह प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ के 45 कृषक उत्पादक संगठन शामिल होंगे। मेले में शामिल कृषक उत्पादक संगठनों के उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय भी किया जाएगा। इस दौरान एफ.पी.ओ. के संचालन के विभिन्न विषयों पर विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इस एफ.पी.ओ. मेला सह प्रदर्शनी में कृषि वैज्ञानिक, कृषि विभाग के अधिकारी, प्रगतिशील कृषक एवं कृषि से संबंधित एफ.पी.ओ. के प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस अवसर पर जन-सामान्य हेतु मेला सह प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें एफ.पी.ओ. के उत्पादों को क्रय भी कर सकेंगे।

एफ.पी.ओ. मेले में विभिन्न कृषक उत्पादक संगठनों द्वारा निर्मित उत्पाद जैसे सुगंधित चावल-विष्णुभोग चावल, देवभोग चावल, जीराफूल चावल, तुलसी मंजरी चावल, ब्लैक राईस, रेड साईस, ग्रीन राईस, ब्राउन राईस, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, मशरूम बड़ी, मशरूम पापड़, मशरूम पाउडर, मशरूम अचार, महुआ लड्डू, शहद, बाजरा, कोदो, कुटकी, रागी, कच्ची घानी का तेल (सरसों का तेल, शीशम तेल और मूंगफली का तेल), मल्टीग्रेन आटा, रागी का आटा, चावल का आटा, कॉन्सेंट्रेट, हनी बी वैक्स, आदि आम जनता हेतु प्रदर्शन एवं विक्रय के लिए उपलब्ध रहेंगे।

शासन की ओर से हर संभव सहायता मिलेगी : श्याम बिहारी जायसवाल

स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में सीसीएम की स्वशासी समिति बैठक सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल की अध्यक्षता में चंदूलाल चंद्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय की स्वशासी समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की तथा आवश्यक सुधार हेतु निर्देश दिए। स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में सीटी स्कैन और एमआरआई मशीन की स्थापना के निर्देश दिए, जिससे मरीजों को त्वरित एवं उन्नत उपचार मिल सके। इसके साथ ही पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए बोर खनन कराने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने मेडिकल कॉलेज में अध्ययनरत छात्रों के लिए स्मार्ट क्लासरूम की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यार्थियों एवं मरीजों की सुविधाओं के विस्तार हेतु एप्रोच रोड, हाई मॉस्क लाइट, सीसीटीवी कैमरा तथा सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था करने सुनिश्चित करने कहा। अस्पताल में खेल उपकरण, ऑडिटोरियम और जिम निर्माण की योजना पर भी सहमति प्रदान की।

मनी मित्रा की क्लास- 'वित्तीय योजना'

झांसी (विश्व परिवार)। वित्तीय योजना या वित्तीय प्रबंधन एक संरचित प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए ठोस कदम उठाता है। यह योजना आपकी आय, खर्च, बचत, निवेश और जोखिम प्रबंधन को संतुलित तरीके से व्यवस्थित करती है। एक अच्छी वित्तीय योजना से आप न केवल अपने वर्तमान वित्तीय मामलों को संभाल सकते हैं, बल्कि भविष्य में आने वाली आर्थिक चुनौतियों का भी सामना अच्छे से कर सकते हैं। आइए इसे विस्तार से समझते हैं-

लक्ष्य निर्धारण- वित्तीय योजना बनाने का पहला कदम यह है कि आप अपने वित्तीय लक्ष्यों को स्पष्ट रूप से निर्धारित करें। यह लक्ष्यों के बिना आपकी योजना अधूरी होगी। आपके वित्तीय लक्ष्य दीर्घकालिक (लंबे समय तक) और लघुकालिक (किसी विशेष समय सीमा में) हो सकते हैं।

दीर्घकालिक लक्ष्य- रिटायरमेंट के बाद वित्तीय स्वतंत्रता, बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए पैसे जमा करना।

लघुकालीन लक्ष्य- एक नया वाहन खरीदना, घर के लिए डाउन पेमेंट जमा करना।

स्मरण रखें- अपने लक्ष्यों को SMART (Specific, Measurable, Achievable, Relevant, Time-bound) बनाएं, ताकि वे स्पष्ट और हासिल करने योग्य हों।

आय और खर्च का आकलन- वित्तीय योजना बनाने के लिए यह महत्वपूर्ण है कि आप अपनी वर्तमान आय और खर्च का सही तरीके से आकलन करें। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि आप कितने पैसे कमा रहे हैं और आप कितने पैसे खर्च कर रहे हैं।

आय- इसमें आपकी सैलरी, बिज़नेस से आय, निवेश से प्राप्त ब्याज या लाभ आदि शामिल होते हैं।

खर्च- इसमें आपके मासिक खर्च, जैसे किराया, भोजन, यात्रा, बिल, मनोरंजन, और अन्य आवश्यकताओं की लागत शामिल होती है।

सुझाव- अपनी आय और खर्च को ट्रैक करें और देखिए कहां आप अधिक खर्च कर रहे हैं। इससे आप अपनी वित्तीय स्थिति पर नियंत्रण पा सकते हैं। जहां संभव हो, खर्चों में कटौती करें ताकि बचत को बढ़ाया जा सके।

बचत और निवेश योजना- जैसा की मनी मित्रा की पिछली क्लास मे हमने बचत और निवेश के अंतर को समझ था सिर्फ बचत ही पर्याप्त नहीं होती, इसके साथ-साथ निवेश भी बेहद आवश्यक है। निवेश से ही आपके पैसे बढ़ सकते हैं। एक अच्छे निवेश योजना से आप अपने लक्ष्यों को जल्दी और सुरक्षित रूप से प्राप्त कर सकते हैं।

बचत- यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपके पास अचानक खर्चों के लिए धन

उपलब्ध हो, आप कुछ भाग को बचत में डाल सकते हैं। उदाहरण के लिए, बैंक में सेविंग्स अकाउंट खोलना, फिक्स्ड डिपॉजिट में निवेश करना आदि।

निवेश- यह आपको अपनी पूंजी को बढ़ाने में मदद करता है। निवेश के विभिन्न विकल्पों में शामिल हैं- म्यूचुअल फंड्स, शेयर बाजार, रियल एस्टेट, सोने या चांदी में निवेश-

सुझाव- हमेशा अपने जोखिम की क्षमता को समझकर निवेश करें। उच्च जोखिम वाले निवेश विकल्प जैसे शेयर बाजार में निवेश से पहले अपने जोखिम सहिष्णुता का मूल्यांकन करें।

लंबी अवधि के लिए निवेश करने पर अधिक लाभ की संभावना होती है, खासकर म्यूचुअल फंड्स और पेंशन योजनाओं में।

ऋण प्रबंधन- अगर आपके ऊपर कोई ऋण है, तो उसे जल्दी से जल्दी चुकाना जरूरी है। उच्च ब्याज दर वाले ऋणों को पहले चुकाने की कोशिश करें क्योंकि वे सबसे अधिक वित्तीय दबाव डालते हैं।

सुझाव- अपनी सभी ऋणों को सूचीबद्ध करें और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर चुकता करें। यदि आपके पास कर्ज है, तो आप एक Consolidation Loan का विचार भी कर सकते हैं ताकि ऋण चुकाने में आसानी हो।

जोखिम प्रबंधन- यहां पर मुख्य ध्यान जीवन, स्वास्थ्य और संपत्ति के लिए बीमा पॉलिसी पर होता है। बीमा से आपके परिवार को भविष्य में आर्थिक संकट से बचाया जा सकता है।

जोखिम के प्रकार- जीवन बीमा: जीवन बीमा पॉलिसी आपके परिवार को आर्थिक सुरक्षा देती है, यदि आपकी मृत्यु हो जाती है।

स्वास्थ्य बीमा- यह आपको और आपके परिवार को मेडिकल खर्च से बचाता है।

संपत्ति बीमा- यह आपके घर या अन्य संपत्ति को प्राकृतिक आपदाओं या दुर्घटनाओं से बचाता है।

टैक्स योजना- अच्छी टैक्स योजना आपके आयकर को कम करने में मदद कर सकती है। भारत में सरकार ने कई टैक्स बचत योजनाएं दी हैं, जिन्हें आप अपनी टैक्स देनदारी को कम करने के लिए उपयोग कर सकते हैं।

उपलब्ध विकल्प- ई.एल.एस.एस., पीपीएफ, एनएससी, सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम, एनपीएस आदि।

सुझाव- टैक्स बचाने के लिए योजनाओं में निवेश करते समय, लंबी अवधि के लक्ष्यों को ध्यान में रखें।

नियमित समीक्षा- वित्तीय योजना केवल एक बार बनाने का काम नहीं है, बल्कि इसे नियमित रूप से अपडेट और समीक्षा करना जरूरी है। आपकी वित्तीय स्थिति और लक्ष्य समय के साथ बदल सकते हैं।

सुझाव- हर 6 महीने या एक साल में अपनी योजना की समीक्षा करें। निवेश और लक्ष्य प्राप्ति की स्थिति की जांच करें और जरूरत अनुसार अपने निवेश को बदलें।

निष्कर्ष- वित्तीय योजना सिर्फ एक दस्तावेज़ या चार्ट नहीं है, बल्कि यह आपकी भविष्यवाणी और आपके वित्तीय लक्ष्यों की दिशा में एक कदम आगे बढ़ने का तरीका है। एक मजबूत वित्तीय योजना आपके जीवन को स्थिर और सुरक्षित बना सकती है। इसलिए जैसे आप बीमारी के लिए उचित और योग्य चिकित्सक से सलाह लेते है ठीक उसी प्रकार अपने जीवन के वित्तीय लक्ष्यों को सुगमता से प्राप्त करने के लिए योग्य और कुशल सलाहाकार से मार्गदर्शन प्राप्त करे।

मंत्री केदार कश्यप ने सहकारिता क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों और मांगों को लेकर केंद्रीय राज्यमंत्री से की चर्चा

सहकार से समृद्धि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन को लेकर सहकारिता मंत्री केदार कश्यप की पहल, विभिन्न मांगों और लक्ष्यों पर बातचीत

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के सहकारिता मंत्री केदार कश्यप आज दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव, सहकारिता छत्तीसगढ़ शासन श्री सुब्रत साहू, आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं, छत्तीसगढ़ श्री कुलदीप शर्मा तथा सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार के अधिकारीगण मौजूद रहे। इस प्रवास के दौरान उन्होंने केंद्रीय राज्यमंत्री मोहोल को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार के द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के विजन को लेकर किये जा रहे कार्यों और उपलब्धियों से अवगत कराया।

सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार से विभिन्न मांगों को लेकर मंत्री केदार कश्यप की पहल- मंत्री केदार कश्यप ने राज्य सरकार की मांगों से केंद्रीय राज्यमंत्री मोहोल को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि सहकार से समृद्धि की दिशा में छत्तीसगढ़ प्रदेश उत्तरोत्तर प्रगति कर रहा है। जिसे गति प्रदान करने के लिये पैक्स कंप्यूटराइजेशन योजनांतर्गत प्रथम चरण में 2028 पैक्स का चयन किया गया है। शेष 30 पैक्स तथा सहकार से समृध्दि अंतर्गत प्रस्तावित 500 नवीन पैक्स के लिए सहमति शीघ्र दिया जाए।

अन्य प्रमुख मांगे- नाबार्ड के प्रशिक्षण संस्थान बर्द की स्थापना छतीसगढ़ में भी किया जाये, जिससे राज्य के पैक्स/DCCB तथा अपेक्स बैंक के अधिकारी/ कर्मचारियो एवं संचालक मण्डल सदस्यो एवं पदाधिकारियो का प्रशिक्षण की राज्य स्तरीय व्यवस्था किया जा सके।

राज्य मे सहकारी बैंक द्वारा अल्पकालीन कृषि ऋणो के लिए वर्ष 2024-25 मे राशि 8500 करोड़ रुपए का ऋण वितरण का लक्ष्य रखा गया था, जिसके विरुध्द आज दिनांक तक राशि र 7709 करोड़ का ऋण वितरण किया जा चुका है। नाबार्ड की अल्पकालीन कृषि ऋण हेतु रियायती ब्याज पर पुनरवृत योजना अंतर्गत वितरित ऋण का 45 प्रतिशत तक अल्प ब्याज दर पर पुनर्वित्त सहकारी बैंकों को उपलब्ध कराया जाना होता है, किन्तु प्रत्येक वर्ष नाबार्ड द्वारा 10-20 प्रतिशत तक ही राशि उपलब्ध करायी जाती है। इस वर्ष केवल राशि1150 करोड़ रुपए ही उपलब्ध कराया गया है, जो कि कुल ऋण वितरण का 14.9न ही है। अत: पॉलिसी अनुसार पूरी राशि उपलब्ध कराया जाए।

प्रदेश के गन्ना विक्रेता कृषको को भुगतान त्वरित रूप से करने की आवश्यकता होती है, उक्त बाबत् भारत सरकार द्वारा जारी मासिक कोटे में छूट देते हुए अधिक शक्कर बेचने की अनुमति प्रदान की जाए।

प्रदेश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना पंडरिया के निर्माण हेतु NCDC से प्रदाय टर्म लोन की दिनांक 17/03/2025 की स्थिति में बकाया राशि 17.21 करोड़ (मूलधन 15.75 करोड़, सामान्य ब्याज 61.02 लाख एवं विलंबित अवधि के लिए ब्याज 84.79 लाख) हो गयी है। कारखाना द्वारा अब तक कुल राशि 137.84 करोड़ (मूलधन 81 करोड़ एवं ब्याज 56.84 करोड़) का भुगतान किया जा चुका है। कारखाने की कमजोर आर्थिक स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए उक्त ऋण पर विलंबित अवधि के लिए अधिरोपित ब्याज की राशि 84.79 लाख को माफ किए जाने का अनुरोध है। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 अंतर्गत आयोजित की जाने वाली गतिविधियों के लिए एक्सपोजर विजिट में छत्तीसगढ़ राज्य को भी शामिल किया जाए।

मंत्री केदार कश्यप ने केंद्रीय राज्यमंत्री को बताया कि माननीय केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री जी द्वारा दिनांक 25/08/2024 की समीक्षा उपरान्त सहकारिता विभाग ने जो लक्ष्य निर्धारित किया था उस पर विष्णुदेव साय सरकार ने पहल करते हुए एक संतोषजनक परिणाम को प्राप्त किया है।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में बहुउद्देशीय समितियों के गठन के लक्ष्य के विरूध्द 232 दुग्ध, 257 मत्स्य तथा 152 लघु वनोपज सहकारी समितियां, इस प्रकार कुल 641 नवीन समितियों का गठन कर लिया गया है, जिनमें से 512 समितियों का गठन माननीय मंत्री जी की समीक्षा बैठक के उपरान्त किया गया है।

वहीँ राज्य में कार्यरत 2058 पैक्स का पुनर्गठन कर 532 नवीन पैक्स के गठन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। केदार कश्यप ने कहा कि राज्य के सभी 2058 पैक्स में भारत सरकार, सहकारिता मंत्रालय द्वारा जारी मॉडल बॉयलाज का अंगीकरण कर लिया गया है। मंत्री की उपस्थिति में दिनांक 16/12/2024 को राज्य सरकार, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ और एन.डी.डी.बी. के मध्य एम.ओ.यू. हस्ताक्षर किया गया। दुग्ध महासंघ के प्रबंधन और संचालन का हस्तांतरण भी दिनांक 17/01/2025 को एन.डी.डी.बी. को कर दिया गया है।

सहकारिता के माध्यम से जनजाति क्षेत्रों में आर्थिक विकास और रोजगार के अनेकों कार्यक्रम- मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय सरकार द्वारा प्रदेश के अनुसूचित जनजाति वर्ग के आर्थिक उन्नयन तथा उन्हें दुग्ध सहकारिता से जोड़ने के लिए प्रथम चरण में प्रदेश के 06 जिलों के 325 परिवारों को 650 दुधारू पशु प्रदाय करने की योजना एन.डी.डी.बी. द्वारा तैयार की गई है। इसके साथ ही सहकारी क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी विकेन्द्रीकृत अनाज भण्डारण योजना में आर.आई.डी.एफ. अंतर्गत राज्य में निर्माणाधीन 725 गोदामों को शामिल किया गया है। इनमें 665 गोदाम पूर्ण हो चुके हैं, शेष 60 गोदाम का निर्माण शीघ्र पूर्ण कर लिया जाएगा।

जनऔषधि केंद्रों में सहित अनेक क्षेत्रों में पैक्स कि उपयोगिता में वृद्धि- सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने केंद्रीय राज्यमंत्री को जानकारी देते हुए बताया कि राज्य के 28 पैक्स में प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केन्द्र स्थापित हैं, जिनमें से 25 की स्थापना माननीय मंत्री जी की समीक्षा बैठक के उपरान्त की गई है और राज्य में 2029 पैक्स में कॉमन सर्विस सेन्टर की स्थापना की गई है, जिनमें से 1103 की स्थापना माननीय मंत्री जी की समीक्षा बैठक के उपरान्त की गई है। इन पैक्स द्वारा अब तक 2.37 करोड़ रुपए का ट्रान्जेक्शन किया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य के सभी 2058 पैक्स द्वारा भारतीय बीज सहकारी समिति में सदस्यता हेतु आवेदन पूर्ण कर लिया गया है, जिनमें से 1792 आवेदन माननीय मंत्री जी की समीक्षा बैठक के उपरान्त किये गये हैं।

मंत्री केदार कश्यप ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य बीज निगम द्वारा भारतीय बीज सहकारी समिति को बीज विक्रय लाईसेन्स जारी कर दिया गया है तथा बीज आपूर्तिकर्ताओं में नाम जोड़ने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। राज्य के सभी 2058 पैक्स द्वारा राष्ट्रीय सहकारी निर्यात समिति में सदस्यता हेतु आवेदन पूर्ण कर लिया गया है, जिनमें से 1924 आवेदन माननीय मंत्री जी की समीक्षा बैठक के उपरान्त किये गये हैं। इसी तरह राज्य के सभी 2058 पैक्स द्वारा राष्ट्रीय जैविक सहकारी समिति में सदस्यता हेतु आवेदन पूर्ण कर लिया गया है, जिनमें से 1915 आवेदन माननीय मंत्री जी की समीक्षा बैठक के उपरान्त किये गये हैं।

सहकारिता के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा, जैविक फसलों के उत्पादन में बढ़ावा- मंत्री केदार कश्यप ने बताया कि छत्तीसगढ़ कृषि सम्पन्न प्रदेश है जहाँ जैविक फसलों के उत्पादन को प्रोत्साहित करने तथा विपणन की व्यवस्था हेतु राष्ट्रीय जैविक सहकारी समिति तीसगढ़ राज्य सहकारी लघु वनोपज संघ के मध्य एम.ओ.यू. निष्पादित किया गया है। संघ द्वारा जैविक समिति को 500 किलोग्राम आर्गेनिक शहद की आपूर्ति प्रक्रियाधीन है। उन्होंने कहा कि माननीय अमित शाह जी की समीक्षा बैठक के उपरान्त राज्य में इमली, आटी, इमली फूल, चिरौंजी, गुठली, काजू, कालमेघ, हर्रा, कचरिया, गिलोय, महुआ फूल सूखा, शहद, आंवला सूखा, महुआ बीज, हर्रा साबुत, बहेड़ा साबूत, भेलवा, इमली बीज, चरोटा बीज, बहेड़ा कचरिया, आमचूर, मालकांगनी, करंज बीज, बेल, जामुन आदि 22 लघु वनोपजों का आर्गेनिक सर्टिफिकेशन प्राप्त किया जा चुका है।

अन्य उपलब्धियां- एन.सी.सी.एफ. के पोर्टल में सभी पैक्स का पंजीयन कराने में छत्तीसगढ़ अग्रणी राज्य रहा है।

मंत्री समीक्षा बैठक के उपरान्त राज्य में 1400 से अधिक सहकारी समितियों के खाते सहकारी बैंकों में खोले गये हैं।

अमित शाह की समीक्षा बैठक के उपरान्त सभी पैक्स में माईक्रो ए.टी.एम. उपलब्ध कराने में छत्तीसगढ़ अग्रणी राज्य रहा है। धान उपार्जन के दौरान 03 माह की अवधि में माईक्रो ए.टी.एम. के माध्यम से राशि ? 116 करोड़ का ट्रांजेक्शन किया गया है। राज्य के 33 ग्राम पंचायतों में पैक्स द्वारा ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजना का संचालन पॉयलेट के तौर पर प्रारंभ किया गया है। राज्य के चयनित सभी 2028 पैक्स गो-लाईव हो गये हैं। सभी पैक्स को अप्रैल 2025 तक ई-पैक्स करने का लक्ष्य है। विगत 06 माह में राज्य में 2.50 लाख कृषकों को रूपे के.सी.सी. कार्ड वितरण किया गया है। राज्य के सभी पैक्स में प्रधानमंत्री किसान समृध्दि केन्द्र स्थापित है। वर्ष 2024-25 में इन केन्द्रों के द्वारा अब तक राशि ?1760.34 करोड़ से अधिक का ट्रांजेक्शन कर लिया गया है। प्रदेश में पैक्स द्वारा सदस्य कृषकों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर 05 लाख की सीमा तक अल्पकालीन कृषि ऋण उपलब्ध कराया जाता है। वर्ष 2024-25 में अब तक 15.21 लाख कृषक सदस्यों को राशि ?7709 करोड़ का ऋण वितरण किया गया है। प्रदेश में पैक्स द्वारा समर्थन मूल्य पर कृषकों से धान उपार्जन का कार्य किया जाता है। खरीफ वर्ष 2024-25 में 25.49 लाख कृषकों से 149.25 लाख मिट्रिक टन धान का उपार्जन कर राशि ?46,251.77 करोड़ का भुगतान किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

मुनिश्री सर्वार्थसागर जी महाराज ने कहा- कम लोग हो, पर अपने हो

अकोला (विश्व परिवार)। प.पू. 108 सर्वार्थ सागर जी महाराज की परम भक्त मनाली पाटनी जी ने अवगत कराया की- प.पू.समाधिस्थ चर्या चुडामनी भारत गौरव, राष्ट्रसंत, वात्सल्य दिवाकर, महासंघनायक, गणाचार्य श्री 108 विरागसागरजी गुरूदेव के पट्टाचार्य श्री 108 विशुद्धसागरजी महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य-प.पू.मुनिश्री 108 प्रणेयसागरजी महाराज, प.पू. मुनिश्री 108 सर्वार्थसागरजी महाराज, प.पू. मुनिश्री 108 सौम्यसागरजी महाराज अकोला में विराजमान है। विचित्र बाते प्रणेता प.पू. मुनिश्री 108 सर्वार्थसागरजी महाराज जी ने कहा की, जिंदगी का खेल कबड्डी की तरह है। सफलता की लाईन छुते ही लोग आपके पैर खिंचने लगेंगे। ज्यादा बहस अक्सर रीश्तो को खराब कर देती है। इसलिए कभी कभी खामोशी भी बेहतरीन होती है। कम लोग हो, पर अपने हो, जिंदगी तमाशा थोडी न है, जो भीड चाहिए। किसी का हाथ तभी पकडना जब आप हर मुसीबत में उसका साथ दे सको। अरे भाई! काम पड सकता है, आधे रिश्ते तो लोग इसि वजह से निभा रहे है। -**अभिषेक पाटिल**

राज्यपाल डेका ने खैरागढ़ वि.वि. के जरूरतमंद विद्यार्थियों और कोरबा जिले के कुष्ठ रोगियों के लिए लगभग 4 लाख रूपये की सहायता राशि दी

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका द्वारा अपने स्वेच्छानुदान मद से इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ में अध्ययनरत उत्तर पूर्वी क्षेत्र के 38 जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए प्रोत्साहन स्वरूप 1 लाख 90 हजार रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। प्रत्येक विद्यार्थी को शिक्षा सत्र 2024-25 के लिए स्वेच्छानुदान मद से 5-5 हजार रूपये प्रदान किए जायेंगे। श्री डेका द्वारा कोरबा जिले के प्रवास के दौरान वहां के 308 कुष्ठ रोगियों के लिए भी अपने स्वेच्छानुदान मद से 2 लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल श्री डेका द्वारा पूर्व में दिव्यांगों, अनाथों, वृद्धजनों, वनवासियों के लिए कार्यरत संस्थाओं एवं टी.बी मरीजों के लिए 33 लाख रूपये से अधिक की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई थी। राज्यपाल श्री डेका ने स्वेच्छानुदान मद से अनुसूचित क्षेत्रों में कार्यरत वृद्धाश्रमों, अनाथ आश्रमों तथा दिव्यांग जनों के लिए कार्यरत शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं को भी आर्थिक सहायता राशि की गई है।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर बुधवार 26 मार्च 2025

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने शुरू की यातायात पाठशाला का शुभारंभ

गरियाबंद(विश्व परिवार)। गरियाबंद पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के दिशा निर्देश एवं मार्गदर्शन में गरियाबंद पुलिस का पहल यातायात पाठशाला की शुरूवात किया गया। इस पहल की मुख्य उद्देश्य दिनों-दिन बढ रहे रोड़ एक्सीडेंट की घटनाओं में कमी लाने के साथ लोगों के प्रति यातायात जागरूकता को बढ़ावा देना है। गरियाबंद यातायात से उप पुलिस अधीक्षक गोपाल वैश्य, सउनि0 रामाधार मरकाम एवं टीम के साथ यातायात पाठशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों एवं आम जनता को यातायात नियमों का 25 प्रश्नों का प्रश्नोत्तरीय कराया जा रहा है। जिसमें यातायात के नियमों का पालन के संबंध में प्रश्न दिया गया है साथ ही साथ जिले एवं दिगर जिले में घटित होने वाले वाहन दुर्घटनों का पेपर कतरन एवं फोटोग्राफ दिखा जा रहा है। जिसके माध्यम से आम जनता को यातायात नियमों का पालन ना करने पर होने वाली दुर्घटनाओं की जानकारी मिल सके। बिना हेल्मेट एवं बिना सीट बेल्ट, शराब सेवन कर वाहन चलाने, मोबाइल फोन से बात करते हुए वाहन ना चलाने, माल वाहक गाड़ी में सवारी नही बैठाने, सवारी वाहन में क्षमता से अधिक यात्री ना बैठने, जल्दबाजी में ओवरटेक न करते हुए स्वयं एवं दूसरों को सुरक्षित रखते हुए वाहन चलाने के संबंध में समझाईस दिया जा रहा है। वाहन चालकों एवं आम जन से गरियाबंद पुलिस का अपील की यातायात नियमों का पालन करते हुए गरियाबंद पुलिस की इस पहल यातयात पाठशाला का हिस्सा बन कर रोड़ एक्सीडेंट में कमी लाने में गरियाबंद पुलिस का सहयोग करें। यातायात नियमों का पालन कर वाहन चलाने से आपके साथ आपका परिवार भी सुरक्षित रहेगा।

बेचा और कड़ेनार के स्कूली बच्चों की मांग हुई पूरी

कोण्डागांव(विश्व परिवार)। जिले के अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में शामिल कड़ेनार और बेचा गांवों में पिछले दिनों कलेक्टर कुणाल दुदावत और पुलिस अधिक्षक वाय अक्षय कुमार ने दौरा किया था। इस दौरान इन गांवों के प्राथमिक शालाओं में अध्ययनरत बच्चों ने खेल सामग्री, जूते और स्कूल बैग की मांग की थी। बच्चों की इस मांग को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन द्वारा बीते शुक्रवार को गांव पहुंचकर आवश्यक सामग्री वितरित की गई। कलेक्टर श्री दुदावत के निर्देशानुसार जिला मिशन समन्वयक एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी बीईओ बी.आर.पी. ने सरपंच धनसिंह कश्यप की उपस्थिति में बच्चों को खेल सामग्री और स्कूल बैग वितरित किए। इस दौरान कड़ेनार के 54 और बेचा के 53 बच्चों सहित कुल 107 बच्चों को लाभान्वित किया गया। वितरित सामग्री में पिट्ठुल, शतरंज, कैरम बोर्ड, वॉलीबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल, लूडो, रस्सीकूद, कंचा, फ्लाइंग डिस्क, बैडमिंटन और अन्य खेल सामग्रियां शामिल रहीं। इस पहल से बच्चों के चेहरे खिल उठे। लंबे समय से संसाधनों की कमी का सामना कर रहे इन बच्चों को जब खेल सामग्री, जूते और स्कूल बैग मिले, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। बच्चों ने सामग्री प्राप्त करने के बाद खुशी में खेलकूद कर अपनी भावनाओं का व्यक्त किया। वहीं ग्रामवासियों ने जिला प्रशासन द्वारा बच्चों की मांग को शीघ्र पूरा करने पर आभार जताया। कड़ेनार और बेचा जैसे गांव कभी माओवाद का गढ़ थे। लंबे समय तक इन क्षेत्रों में विकास की रोशनी नहीं पहुंच पाई थी। माओवाद की वजह से शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं का विकास रुका हुआ था। लेकिन वर्तमान सरकार और केंद्र की नीतियों, सुरक्षा बलों के प्रयासों से अब यह क्षेत्र नक्सल मुक्त हो रहा है।

लंजोड़ा में नया ट्रांसफार्मर लगने से किसानों को मिली ओवरलोड से राहत

कोंडागांव(विश्व परिवार)। जिले में विद्युत आपूर्ति को सुचारू बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र लंजोड़ा में 3.15 एमवीए से क्षमता वृद्धि कर 5 एमवीए का नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। इससे कई गांवों के किसानों को ओवरलोड की समस्या से राहत मिलेगी। सीएसईबी कोंडागांव के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि नए ट्रांसफार्मर की स्थापना से 11 केवी लंजोड़ा टाउन फीडर, जैतपुरी फीडर, जुगानी फीडर और बड़ेडोगर फीडर के अंतर्गत आने वाले गांवों लंजोड़ा, भानपुरी, जैतपुरी, कोसागांव, कबोगा, हिर्री, बालोण्ड, मांझीबोरण्ड, सल्फीपदर और केरावाही

इत्यादि गांव के किसानों को ओवर लोड से निजात मिलेगी, जिससे उन्हें खेतों में निर्बाध सिंचाई में मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार जिले में विद्युत व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। साथ ही बिजली संबंधी शिकायतों के निराकरण के लिए भी प्रयास जारी है। विभिन्न क्षेत्रों में लो वोल्टेज की समस्या को दूर करने के लिये विद्युत विभाग के द्वारा लगातार ट्रांसफार्मर में शंट कैपेसिटर भी लगाए जा रहे हैं। कलेक्टर श्री दुदावत ने जिले में 33/11 केवी के नए विद्युत उपकेंद्रों की लोहरा पारा, पिपरा एवं लांझोड़ा रांधना की स्थापना के लिए भूमि आबंटन की प्रकिया को एक सप्ताह में पूरा करने के निर्देश दिए हैं। भूमि आवंटन प्रक्रिया पूर्ण होते ही सब स्टेशन निर्माण कार्य शीघ्र आरंभ होगा। इसके स्थापित होने से जिले की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी, जिससे नागरिकों को बिजली संबंधी समस्याओं से राहत मिलेगी। विद्युत विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीपरा सब स्टेशन के बनने से बहीगांव, पीपरा, मस्सुकोकड़ी, आंवराभाटा, छिंदीडीही, पावारास, चिखला डीही, खरगांव, खुटपदर, डोंगरीपारा, अमोड़ा और शिकागांव को लाभ मिलेगा और लंजोड़ा सब स्टेशन बनने से भानपुरी, हिर्री, सोड़मा, सिरसीकलार, भूमका के ग्रामीणों को लाभ मिलेगा। इसी प्रकार लोहार पारा सब स्टेशन बनने से कोंडागांव गांव शहर में ओवरलोड से निजात मिलेगी, साथ ही बोलबाला, चिखलपुट्टी, दूधगांव, कोकोडी, जरेबेंदरी गांव सहित विभिन्न गांव के ग्रामीणों को राहत मिलेगी।

सूचना का अधिकार' के नियमों से अवगत हुए जिले के अधिकारी : कलेक्टर

कांकेर(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य सूचना आयोग के निर्देशानुसार जिले में सूचना का अधिकार अधिनियम- 2005 के विभिन्न नियमों तथा अपील एवं निराकरण संबंधी दिशा निर्देशों की जानकारी देने के उद्देश्य से आज कार्यशाला आहूत की गई। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर की उपस्थिति में राज्य सूचना आयोग के अनुभाग अधिकारी अतुल वर्मा ने कार्यशाला में आरटीआई के महत्वपूर्ण नियमों, उपबंधों तथा धाराओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आज दोपहर को आयोजित कार्यशाला में अनुभाग अधिकारी वर्मा ने सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 के तहत आवेदन प्रस्तुति के नियम एवं निर्देश, अपील नियम एवं निराकरण, शुल्क एवं मूल्य विनियमन नियम, अधिनियम के प्रावधानां से छूट के संबंध में समय-समय पर शासन द्वारा जारी नियमों एवं निर्देशों से अवगत कराया गया। इसके अलावा अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जारी शासन के निर्देश, मार्गनिर्देशिका, इंटरनेट पर स्वप्रेरणा से प्रगटीकरण, आयोग के वार्षिक प्रतिवेदन की अनुशंसाओं पर कार्यवाही, लोक प्राधिकारी की नियुक्ति तथा उच्च न्यायालय के निर्णयों की जानकारी आज कार्यशाला में दी गई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर एस. अहिरवार, बी.एस. उईके, जितेन्द्र कुमार कुर्रे एवं अनुविभागीय अधिकारीगण, आरटीआई के जिला नोडल एवं डिप्टी कलेक्टर टी.आर. देवांगन सहित विभिन्न विभागों अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

आंध्रा ब्राह्मण समाज छत्तीसगढ़, रायपुर के कार्यकारिणी चुनाव संपन्न

रायपुर। आंध्रा ब्राह्मण समाजन छत्तीसगढ़, रायपुर के कार्यकारिणी समिति के चुनाव 23, (रविवार) को श्री बालाजी विद्या मंदिर, देवेंद्र नगर, में संपन्न हुए। चुनाव 3 वर्षों में एक बार होते हैं। उल्लेखनीय है कि पहली बार गुप्त मतदान द्वारा चुनाव कराए गए। समाज के सदस्यों ने काफी बढ़ चढ़कर मतदान में हिस्सा लिया।

अध्यक्ष पद के लिए आर. मुरली लगातार तीसरी बार चुने गए जिन्होंने अपने प्रतिद्वंदी को 102 मतों से पराजित किया। उपाध्यक्ष (प्रथम) पद के लिए ए. के श्रीनिवास मूर्ति ने अपने

प्रतिद्वंदी को 56 मतों से पराजित किया। उपाध्यक्ष (द्वितीय) पद के लिए वेणु गोपाल चुने गए जिन्होंने अपने प्रतिद्वंदी को 77 मतों से पराजित किया। कार्यकारिणी समिति के अन्य सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए..

नई कार्यकारिणी समिति इस प्रकार है-अध्यक्ष - श्री आर मुरली,

उपाध्यक्ष (प्रथम) - श्री ए के श्रीनिवास मूर्ति, उपाध्यक्ष (द्वितीय) - श्री वेणु गोपाल, सचिव - श्री डी श्रीनिवास राव, कोषाध्यक्ष - श्री सी साई गोपाल,सह सचिव (प्रथम) - श्री जे वी प्रसाद, सह सचिव (द्वितीय) - श्री के श्रीनिवास, कार्यकारिणी सदस्य (7 पदों के लिए) - श्री सी एस एन मूर्ति, श्री टी रामचंद्र राव,

पी रविशंकर, पी चंद्रशेखर, श्रीमती ए श्रीदेवी, एन हनुमंत राव, ए श्रीनिवास,चुनाव समिति के सदस्य सी मोती सागर,वाय वी शंकर एवं डी जगन्नाथ थे।

कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ ने विद्यार्थियों को स्टार्टअप के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया

एन.आई.टी. रायपुर के सहयोग से जिले के विद्यार्थियों को मिलेगा स्टार्टअप में सफलता का अवसर

धमतरी(विश्व परिवार)। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा और जिला पंचायत सीईओ रोमा श्रीवास्तव ने आज रुद्री स्थित भोपाल राव पावर पॉलीटेक्निक कॉलेज में विद्यार्थियों से मुलाकात की और उन्हें अपने भविष्य के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर और सीईओ ने विद्यार्थियों को अपने छात्र जीवन के अनुभव साझा करते हुए उन्हें मेहनत और समर्पण के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर कलेक्टर ने विद्यार्थियों से उनके कैरियर ऑप्शन्स पर चर्चा की और बताया कि सरकारी नौकरी के साथ-साथ स्टार्टअप शुरू करने के अवसर भी उपलब्ध हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को सूचित किया कि जल्द ही रायपुर के एनआईटी के विशेषज्ञ धमतरी में आकर उन्हें स्टार्टअप के लिए मार्गदर्शन देंगे। कलेक्टर ने आगे बताया कि विशेषज्ञ विद्यार्थियों को एग्रीटेक, फूड प्रोसेसिंग, इंटरनेट आधारित व्यवसायिक गतिविधियों और वनोपज आधारित इकाई स्थापना के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। इसके साथ ही विद्यार्थियों को उत्पाद बनाने, उनका मार्केटिंग और सेल्स के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। साथ ही, ये विशेषज्ञ विद्यार्थियों को यह भी सिखाएंगे कि वे अपने उत्पादों को जिले और राज्य ही नहीं, बल्कि देशभर में कैसे बेच सकते हैं। धमतरी के युवाओं के लिए जिला प्रशासन ने एनआईटी, आईआईएम सहित अन्य औद्योगिक संस्थानों का भ्रमण कराना तय किया है, ताकि वे अपने व्यवसाय शुरू करने के लिए आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकें। सीईओ रोमा श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों के सवालों का उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया। उन्होंने अखिल भारतीय सेवाओं की तैयारी के अपने अनुभव साझा किए और विद्यार्थियों को सफलता पाने के लिए कड़ी मेहनत की अहमियत बताई।

पीले चावल देकर राष्ट्रव्यापी महापरीक्षा अभियान में आने का न्योता

कोंडागांव(विश्व परिवार)। कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण कोंडागांव कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान आकलन परीक्षा 23 मार्च 2025 को आयोजित किया जा रहा है। इसके प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए जिले के टीम ने शिक्षार्थियों को आकर्षक पाउच में पीले चावल, शिक्षार्थी पर्ची व पम्पलेट देकर अधिक से अधिक लोगों को महापरीक्षा अभियान में आने का न्योता दिया गया।उल्लेखनीय है कि कोंडागांव जिले में भी राष्ट्रव्यापी महा परीक्षा के आयोजन की पूर्ण तैयारी कर ली गई है। इसमें 200 घंटे के अध्यापन कार्य एवं सात अध्याय पूर्ण करने वाले असाक्षरों को आकलन हेतु शामिल किया गया है। इसके लिए जिले में 362 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। जहां 23 मार्च 2025 रविवार को प्रात: 10 बजे से 5 बजे तक परीक्षा आयोजित होगी तथा मूल्यांकन भी केंद्र में ही होगा। इस हेतु सुविधाजनक रूप से उनके कार्य स्थल में जा कर निमंत्रण दिया गया है। इस कार्यक्रम में विकासखंड परियोजना अधिकारी दवल सिंह पोटाई, श्रीनिवास नायडू, वर्षा तिर्की, पुरुषोत्तम दीक्षित, हेम दत्तेश्वर पटेल सभी शामिल थे। इस तरह निमंत्रण मिलने पर सभी असाक्षरों में काफी उल्लास दिखाई दिया।

छात्रों ने जल संरक्षण का लिया संकल्प

कोंडागांव(विश्व परिवार)। विश्व जल दिवस के अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग कोंडागांव द्वारा एक विशेष जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य स्कूली छात्रों को जल संरक्षण के महत्व और इसकी अनिवार्यता के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने जल है तो कल है के संदेश के साथ जल बचाने का संकल्प लेते हुए समाज में जागरूकता फैलाने का प्रण लिया। अभियान के दौरान छात्रों ने जल संरक्षण पर आधारित चित्रकला बनाई, जिसमें अपनी रचनात्मकता के माध्यम से जल बचाने का संदेश

दिया। इसके अलावा, शिक्षिका श्रीमती स्मृति बक्शी और श्रीमती मंजुला बोस ने छात्रों से जल संरक्षण पर कविताएँ सुनीं, जिससे जल की महत्ता को लेकर उनकी समझ और अधिक गहरी हुई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को जल के विवेकपूर्ण उपयोग और संरक्षण के प्रभावी तरीकों की जानकारी दी गई। उन्हें नल का पानी व्यर्थ न बहाने, वर्षा जल संचयन करने, पानी के दोबारा उपयोग को बढ़ावा देने और जल व्यय करने वाली आदतों को त्यागने जैसे उपायों के प्रति प्रेरित किया गया।

बस्तर पंडुम के समापन में अतिथियों ने विजेताओं को किया पुरस्कृत

बस्तर की सांस्कृतिक खुशबु को देश-दुनिया तक पहुंचाने कर रहे बस्तर पंडुम का आयोजन : कश्यप

जगदलपुर(विश्व परिवार)। बस्तर पण्डुम-2025 के तहत दो दिवसीय जिला स्तरीय कार्यक्रम का समापन लोक संस्कृति की अनुपम छटा के साथ रविवार को स्थानीय प्रियदर्शिनी इंदिरा स्टेडियम में हुआ। इस अवसर पर सांसद बस्तर महेश कश्यप, जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह, आईजी सुंदरराज पी., कलेक्टर हरिस एस, एसपी श्री शलभ सिन्हा, सीईओ जिला पंचायत प्रतीक जैन तथा सर्व आदिवासी समाज प्रमुखों ने समूचे जिले के प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। साथ ही विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दी। इस दौरान जिले के सभी ब्लॉकों के प्रतिभागियों ने जिला स्तरीय बस्तर पण्डुम में बारिश के बावजूद उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस मौके पर सांसद महेश कश्यप

ने समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारा बस्तर प्राकृतिक सौंदर्य, अपार खनिज संपदा और जनजातीय संस्कृति से समृद्ध होने के फलस्वरूप समूचे विश्व में प्रसिद्ध है। जिले के प्रतिभागी इतनी बड़ी संख्या में बस्तर पंडुम के इस आयोजन में सहभागी बने हैं। हमारे पूर्वजों ने बस्तर की सांस्कृतिक धरोहर को सहेज कर रखा और हमें यह समृद्ध विरासत मिला है। वर्तमान समय में भावी पीढ़ी अपनी संस्कृति, परम्परा, रीति-रिवाज से दूर होती जा रही है, इसलिए हम सबका कर्तव्य है कि बस्तर की समृद्ध संस्कृति को संरक्षित एवं संवर्धित करें। बस्तर की सांस्कृतिक खुशबु को देश-दुनिया तक पहुंचाना है। यहां की संस्कृति, परम्परा, तीज-तिहार अलग-अलग कलाओं एवं रीति-रिवाज को पहचान देने के लिए हमारे छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बस्तर पंडुम का आयोजन किया जा रहा है। सांसद श्री कश्यप ने प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन स्थानीय संस्कृति और प्रतिभाओं को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इस आयोजन से बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परम्परा, रीति-रिवाज और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार बस्तर के अंदरूनी इलाके के युवाओं को समाज की मुख्यधारा में शामिल कर विकास में सहभागी बनाने के लिए हरसम्भव पहल कर रही है। यही वजह है कि बस्तर के हर क्षेत्र में विकास की धारा पहुंच रही है और आने वाले दिनों में बस्तर के चहुंओर शांति और विकास की बयार बहेगी। बस्तर की संस्कृति को संजोने के लिए विभिन्न कलाकारों को मंच प्रदान किया जा रहा है। बस्तर पंडुम और बस्तर ओलिंपिक कराने का मूल उदेश्य यहां के युवा माओवाद से मुक्त होकर मुख्यधारा में जुड़ें तथा हमारे प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की मंशानुरूप बस्तर को मार्च 2026 तक माओवाद समस्या मुक्त कर बस्तर को शांति का टापू बनाएंगे। बस्तर पंडुम समापन अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप ने कहा कि यह महोत्सव हमारी परंपराओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक धरोहर को संजोने का अवसर है। उन्होंने आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, लोककला और परंपराओं को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

देशी शराब के साथ एक गिरफ्तार

भाटापारा(विश्व परिवार)। थाना भाटापारा शहर पुलिस द्वारा शराब कोचियों की धरपकड़ कार्यवाही लगातार जारी है। इसी क्रम में आज दिनांक 23.03.2025 को थाना भाटापारा शहर की पुलिस टीम द्वारा संत माता कर्मा वार्ड में घेराबंदी कर अवैध रूप से शराब बिक्री करने वाले 01 शराब कोचिया को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से ?4950 कीमत मूल्य का 45 नग देशी मसाला शराब जप्त किया गया है। आरोपी के विरुद्ध थाना भाटापारा शहर में धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर जेल भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। आरोपी- गौतम रात्रे उम्र 40 साल निवासी संत माता कर्मा वार्ड भाटापारा थाना भाटापारा शहर।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर बुधवार 26 मार्च 2025

व्यापार समाचार

बदलते मौसम के लिए आयुर्वेद पर आधारित हफ्ते भर का डाइट प्लान: डॉ मधुमिता

रायपुर, जब सर्दी का मौसम खत्म होता है और गर्मियां शुरू होती हैं, तो आयुर्वेद मौसमी असंतुलन को रोकने के लिए मुट्ठी भर बादाम सहित संतुलित आहार के महत्व पर जोर देता है। इस समय हमारे शरीर के तीन दोष (वात, पित्त और कफ) बिगड़ जाते हैं, जिससे हम बीमार पड़ सकते हैं। गर्म और सूखा मौसम वात को बढ़ाता है, जिससे शरीर में सूखापन, बेचैनी और सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। वहीं, तापमान के बदलने से हमारा पाचन भी कमजोर हो जाता है, जिससे शरीर में ज़हरीले पदार्थ जमा होने लगते हैं और हमारी इम्युनिटी कम हो जाती है। डॉ मधुमिता कृष्णन, आयुर्वेद एक्सपर्ट ने बताया इस चरण के दौरान अपनी सेहत को दुरुस्त बनाए रखने के लिए, हमें गर्म, अच्छी तरह से पके हुए भोजन के साथ शरीर को पोषण देना आवश्यक है। एक आयुर्वेद विशेषज्ञ के रूप में, मैं दैनिक आहार में घर का बना घी, वेजीटेबल सूप, मौसमी साग-सब्जियां और मुट्ठी भर बादाम जो प्राकृतिक प्रोटीन का बढ़िया स्रोत है, को शामिल करने की सलाह देती हूं। एक अच्छी तरह से बनाई गई 7 दिन की आयुर्वेदिक डाइट जैसे बादाम का एक कटोरा, ताजा सब्जी का सलाद, मौसमी बीमारियों को दूर रखता है। आपको मौसम बदलने के समय होने वाली बीमारियों से बचा सकती है और आपको पौष्टिक और स्वादिष्ट खाना खाने में मदद करेगी । हम आपके लिए एक आसान और असरदार डाइट प्लान लेकर आए हैं। ध्यान रखें कि हर किसी का शरीर अलग होता है, इसलिए आप अपनी ज़रूरत के हिसाब से खाने की मात्रा और चीज़ें बदल सकते हैं।

जीएसएमए बोर्ड ने गोपाल विट्टल को चुना नया चेयरमैन

गुरुग्राम (भारत) : जीएसएमए के निदेशक मंडल ने भारती एयरटेल के वाइस चेयरमैन और एमडी गोपाल विट्टल को वर्ष 2026 तक के लिए अपना नया अध्यक्ष चुना है। गोपाल, वर्तमान में जीएसएमए बोर्ड के कार्यवाहक अध्यक्ष हैं। गोपाल चेयरमैन के रूप में अपनी भूमिका में जीएसएमए की रणनीतिक दिशा की देखरेख करेंगे । इस प्रतिष्ठित निकाय के सदस्यों में दुनिया भर की 1000 से ज्यादा दूरसंचार कंपनियाँ, हैंडसेट और डिवाइस कंपनियाँ, सॉफ्टवेयर कंपनियाँ, उपकरण प्रदाता, इंटरनेट कंपनियों के साथ ही निकटवर्ती उद्योग क्षेत्रों के संगठन भी शामिल हैं। सुनील भारती मित्तल के बाद गोपाल जीएसएमए बोर्ड के चेयरमैन चुने जाने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं। यह नियुक्ति वैश्विक दूरसंचार उद्योग जगत में एयरटेल के महत्वपूर्ण प्रभाव को दर्शाती है, क्योंकि सुनील भारती मित्तल और गोपाल विट्टल दोनों वर्षों से जीएसएमए बोर्ड में प्रमुख पदों पर कार्यरत हैं। गोपाल विट्टल ने पदग्रहण के अवसर पर कहा, मुझे जीएसएमए बोर्ड के चेयरमैन के रूप में चुने जाने पर गर्व है। मोबाइल उद्योग ने वर्ष 2024 में वैश्विक अर्थव्यवस्था में 6.5 ट्रिलियन डॉलर का योगदान दिया है और यह वह नीव है जिस पर दुनिया में अधिकांश इनोवेशन आधारित है। मोबाइल इकोसिस्टम को एकीकृत करने वाले एक वैश्विक संगठन के रूप में जीएसएमए, सभी के लिए सकारात्मक बदलाव लाने वाले इनोवेशन की खोज, विकास और वितरण के लिए आधारभूत आवश्यकता है । मैं इस महत्वपूर्ण कार्य को जारी रखने के लिए जीएसएमए टीम और बोर्ड के बाकी सदस्यों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं। जीएसएमए के महानिदेशक मैट्स ग्रैनरीड ने इस अवसर पर कहा, मैंने कई वर्षों तक श्री विट्टल के साथ काम किया है और मुझे खुशी है कि उन्हें जीएसएमए बोर्ड का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। अपने ज्ञान और अनुभव की बदौलत वे बोर्ड तथा उद्योग को वर्तमान चुनौतियों तथा अवसरों के माध्यम से आगे ले जाने में पूरी तरह से सक्षम हैँ , जिसमें नए व्यवसाय मॉडल और राजस्व प्राप्ति के उपायों के लिए एआई और पूर्ण 5 जी तकनीक का लाभ उठाना शामिल है।

देश की मिट्टी से जुड़ी कहानियां: कलर्स के वे शो जो आपको भारत की धड़कन महसूस कराते हैं

कुछ कहानियों में मिट्टी की खुशबू होती है, परंपराओं का एहसास होता है, और आम ज़िंदगी की धड़कन महसूस होती है। ये सिर्फ़कहानियां नहीं होतीं है, बल्कि संस्कृति, आस्था और संकल्पशीलता से समृद्ध भूमि का प्रतिबिंब होती हैं। टेलीविज़न हमेशा समाज का दर्पण रहा है, और कलर्स ब्रैंड ने भारत के दिल से निकली इन कहानियों को बखूबी जीवंत किया है—दर्शकों को भारत कीगलियों, मंदिरों, नदियों और बाज़ारों की सैर कराई है। प्रयागराज की आध्यात्मिक पवित्रता को दर्शाने वाले 'राम भवन' से लेकर, इंदौर के चटपटे स्वादों से भरपूर 'सुमन इंदौरी' तक, और मन को छू लेने वाली वाराणसी की सुंदरता को प्रस्तुत करने वाले 'डोरी' तक, कलर्स ऐसी कहानियां बुनता है जो दर्शकों को अपनेपन का एहसास कराती हैं। आइए, देखें कि ये शो आपको असली भारत के दिल से कैसे जोड़ते हैं। सुमन इंदौरी 'सुमन इंदौरी' में इंदौर की उत्साहभरी धड़कन पूरे रंग-रूप में सजीव होती है, जिसमें इस शहर की समृद्ध खानपान और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत किया गया है। जब यह शो शुरू हुआ, तो सराफ़ा बाज़ार की हलचल भरी गलियां स्क्रीन पर जीवंत हो उठीं, जहां आपने सुमन को देखा—एक निडर लड़की, जिसे चाट की रानी कहा जाता है, जो इंदौर के मशहूर चाट कल्चर को अपनी अनूठी शैली में पेश करती है। यह शो एक पारिवारिक ड्रामा है, जहां स्वाभिमान और अभिमान की टक्कर होती है—एक दमदार देवरानी और एक तेज़-तर्रार जेठानी के बीच का ज़बरदस्त टकराव। यह शक्ति संतुलन का ऐसा खेल है, जहां दो ज़िद्दी और मज़बूत महिलाओं के बीच बुद्धि और श्रेष्ठता की जंग छिड़ जाती है। यह कहानी एक पारंपरिक संघर्ष को आधुनिक अंदाज़ में प्रस्तुत करती है, जिसमें जेठानी देविका और देवरानी सुमन के बीच मनोरंजक खींचतान देखने को मिलती है। सुमन, जिसे उसकी मर्ज़ी के खिलाफ़ प्रतिष्ठित परिवार के वारिस तीर्थ से शादी करनी पड़ती है, इस रिश्ते में अपनी पहचान बनाने की कोशिश करती है। शो की पृष्ठभूमि कई बार खजराना मंदिर में आध्यात्मिक मोड़ लेती है, जहां श्रद्धा और आस्था इसके किरदारों और उनकी कहानियों को नया जीवन देती हैं।

ईशान किशन के तूफान में उड़ी राजस्थान रॉयल्स

हैदराबाद(एजेंसी)। इशान किशन (नाबाद 106) की तूफानी शतकीय पारी और ट्रैविस हेड (67) रनों की अर्धशतकीय पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के दूसरे मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को 44 रन से हरा दिया। 287 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तेजी के रन बनाने के प्रयास में 50 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गवां दिये। यशस्वी जयसवाल (एक), कप्तान रियान पराग (चार) और नीतीश राणा (11) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये ध्रुव जुरेल ने संजू सैमसन के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट के लिए 111 रनों की साझेदारी हुई। 14वें ओवर में हर्षल पटेल ने संजू सैमसन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। संजू सैमसन ने 37 गेंदों में सात चौके और चार छक्के लगाते हुए (66) रन बनाये। अगले ही ओवर में एडम जम्पा ने ध्रुव जुरेल को आउटकर राजस्थानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। जुरेल ने 35 गेंदों में पांच चौके और छह छक्के लगाते हुए (70) रनों की तूफानी पारी खेली। इसके बाद शिमरॉन हेटमायर और शुभम दुबे ने गेंद की पिटाई जारी रखी। राजस्थान का छठा विकेट आखिरी ओवर में शिमरॉन हेटमायर के रूप में गिरा। शिमरॉन हेटमायर ने 23 गेंदों में एक चौका और चार छक्के लगाते हुए (42) रन बनाये। शुभम दुबे 11 गेंदों में एक चौका और चार छक्के लगाकर (34) रन बनाकर नाबाद रहे। हैदराबाद के गेंदबाजी आक्रमण के आगे राजस्थान के बल्लेबाज निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 242 रन ही बना सके और 44 रनों से रोमांचक मुकाबला हार गये। सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से सिमरजीत सिंह और हर्षल पटेल को दो-दो विकेट मिले। मोहम्मद शमी और एडम जम्पा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां राजस्थान रॉयल्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद के लिए अभिषेक शर्मा और ट्रैविस हेड की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए तूफानी अंदाज में (45) रन जोड़े। चौथे ओवर की पहली गेंद पर महीश तीक्षणा ने अभिषेक शर्मा को आउटकर हैदराबाद को पहला झटका दिया। अभिषेक शर्मा ने 11 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए (24) रन बनाये। हैदराबाद का दूसरा विकेट ट्रैविस हेड के रूप में गिरा। ट्रैविस हेड ने 31 गेंदों में नौ चौके और तीन छक्के लगाते हुए (67) रन बनाये। इसके बाद नीतीश कुमार रेड्डी 15 गेंदों में (30) हाइनरिक क्लासन 14 गेंदों में (34) रन बनाकर आउट हुये।

विराट कोहली ने किया बड़ा खुलासा, बताया- किस वजह से एक साल में दो बार टूटा था उनका दिल

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अपनी निजी जिंदगी में पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ बेहद खुशहाल जीवन बिता रहे हैं। हालांकि, एक समय ऐसा भी था जब उन्होंने कहा था कि उनका दिल एक ही साल में दो बार टूट गया था। अब विराट कोहली ने खुद इस बात का खुलासा किया है कि इसके पीछे की वजह क्या थी। सोशल मीडिया पर उनका एक पुराना इंटरव्यू वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक आईपीएल मैच के बाद अपने दिल टूटने के कारणों का जिक्र कर रहे हैं। विराट कोहली के अनुसार, यह घटना साल 2016 में हुई थी। पहली बार उनका दिल तब टूटा जब टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप जीतने में नाकाम रही थी। भारतीय टीम उस साल सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई थी। इसके बाद, उसी साल उनके दिल टूटने की दूसरी वजह आईपीएल के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की हार थी। आरसीबी फाइनल मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद से हार गई थी, जिससे विराट काफी निराश हुए थे। गौरतलब है कि आईपीएल 2016 विराट कोहली के व्यक्तिगत प्रदर्शन के लिहाज से अभी भी सबसे शानदार सीजन माना जाता है। उस सीजन में उन्होंने 973 रन बनाए थे, जो कि किसी भी बल्लेबाज द्वारा एक आईपीएल सीजन में बनाए गए सबसे ज्यादा रन हैं। यह रिकॉर्ड आज भी विराट कोहली के नाम पर कायम है।

भारत की बायोइकोनॉमी बीते 10 वर्षों में 16 गुना बढ़कर 165.7 अरब डॉलर हुई : केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत की बायोइकोनॉमी में बीते 10 वर्षों में 16 गुना का इजाफा हुआ है और यह 2024 में बढ़कर 165.7 अरब डॉलर की हो गई है, जो कि 2014 में 10 अरब डॉलर थी। यह जानकारी सरकार द्वारा शुक्रवार को दी गई। केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने राष्ट्रीय राजधानी में बीआईआरएसी के स्थापना दिवस समारोह में कहा कि यह तेज वृद्धि भारत के भविष्य के आर्थिक विकास के प्रमुख स्तंभ के रूप में बायोटेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने की सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। डॉ सिंह ने 'आईबीईआर 2025' रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा, ''केवल 10 वर्षों में भारत की बायो-इकोनॉमी 10 अरब डॉलर से बढ़कर 165.7 अरब डॉलर हो गई है, जो 2025 तक 150 अरब डॉलर के हमारे शुरुआती लक्ष्य से कहीं अधिक है।'' रिपोर्ट में कहा गया कि यह सेक्टर कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 4.25 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। पिछले चार वर्षों में इस सेक्टर ने 17.9 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) दिखाई है, जो वैश्विक बायोटेक पावरहाउस के रूप में भारत की क्षमता को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री ने बायोसारथी का भी अनावरण किया, जो एक ग्लोबल मेंटरशिप पहल है जिसका उद्देश्य बायोटेक स्टार्टअप को बढ़ावा देना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह पहल इनोवेशन को बढ़ावा देकर, उद्योग-अकादमिक सहयोग को बढ़ाकर और भारतीय स्टार्टअप को वैश्विक सफलता के लिए तैयार करके भारत के बायोटेक इकोसिस्टम को मजबूत करेगी। इस पहल के तहत विदेशी विशेषज्ञों, विशेषकर भारतीय प्रवासियों को इंटरनेशनल मेंटर के रूप में शामिल किया जाएगा, जो समाज को योगदान देने के लिए स्वेच्छा से आगे आएंगे। केंद्रीय मंत्री ने हाल ही में स्वीकृत बायो-ई3 पॉलिसी के बारे में भी बताया, जिसका उद्देश्य इस क्षेत्र में रिसर्च, इनोवेशन और उद्यमिता को गति देना है।

बीएफएसआई सेक्टर ने बनाया भारत के कमर्शियल रियल एस्टेट लीजिंग में रिकॉर्ड, जीसीसी की रही अहम भूमिका

मुंबई(एजेंसी)। वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) के नेतृत्व में 2024 भारत के वाणिज्यिक रियल एस्टेट में बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विस और इंश्योरेंस (बीएफएसआई) सेक्टर के लिए एक अहम वर्ष रहा, जिसने 13.45 मिलियन वर्ग फीट (वर्ग फीट) लीज पर लिया, जो वार्षिक तौर पर लिए गए लीज स्पेस का 17.4 प्रतिशत हिस्सा है। जेएलएल की एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, बीएफएसआई सेगमेंट ने 2022-2024 की तीन साल की अवधि में 31 मिलियन वर्ग फीट ऑफिस स्पेस लीज पर लिया, जो 2016-2021 की पिछली छह साल की अवधि में लीज पर दिए गए 29 मिलियन वर्ग फीट से भी ज्यादा है। पिछले तीन वर्षों में बीएफएसआई सेक्टर द्वारा लीज पर दिए गए स्पेस में ग्लोबल बीएफएसआई फर्मों की हिस्सेदारी 59.0 प्रतिशत रही। बीएफएसआई सेक्टर में वृद्धि के लिए भारत का मजबूत टैलेंट पूल, डिजिटलीकरण को बढ़ावा और उपभोक्ता क्षमता अहम कारक रहे। जेएलएल के मुख्य अर्थशास्त्री डॉ. सामंतक दास ने कहा, विशेष रूप से जीसीसी इस उछाल को आगे बढ़ा रहे हैं, क्योंकि पिछले तीन वर्षों में बीएफएसआई लीजिंग में उनका हिस्सा 59 प्रतिशत रहा है। यह डेटा भारत के ऑफिस मार्केट को नया रूप देने और देश के वैश्विक वित्तीय सेवा केंद्र के रूप में उभरने में बीएफएसआई की अहम भूमिका को दर्शाता है। दास ने बताया कि घरेलू फर्म भी पीछे नहीं रहीं, क्योंकि उन्होंने 2022-24 के बीच टॉप सात शहरों में 12.7 मिलियन वर्ग फुट लीज पर लिया। मजबूत घरेलू बीएफएसआई स्पेस टेक-अप ने मुंबई जैसे बाजारों में मांग को बढ़ावा दिया, जबकि वैश्विक फर्म देश के दूसरे बड़े ऑफिस मार्केट में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही थीं। भारत में वैश्विक फर्मों द्वारा लीजिंग गतिविधि में जीसीसी सेट-अप, नए और मौजूदा में कर्मचारियों की संख्या में बढ़ोतरी सबसे आगे रहे हैं। 2022 से अब तक जीसीसी ने 67.4 मिलियन वर्ग फीट लीज पर दिया है, जिसमें बीएफएसआई का हिस्सा 20.7 प्रतिशत है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2024 में जीसीसी लीजिंग में बीएफएसआई की हिस्सेदारी बढ़कर 25.2 प्रतिशत हो गई, जिससे यह टेक के बाद दूसरा सबसे बड़ा कम्पोनेंट बन गया। मुंबई भारत की आर्थिक राजधानी के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखता है, जबकि दिल्ली-एनसीआर अपने रणनीतिक स्थान और इंफ्रास्ट्रक्चर का लाभ उठा रहा है। बेंगलुरु का टेक इकोसिस्टम फिनटेक इनोवेटर्स को आकर्षित कर रहा है, हैदराबाद अपने मजबूत आईटी और फार्मा सेक्टर से लाभ ले रहा है, चेन्नई दक्षिणी बीएफएसआई हब के रूप में अपनी जगह बना रहा है।

सैमसंग ने बीस्पोक एआई डिजिटल उपकरणों पर एक्सक्लूसिव फेस्टिव ऑफर्स की घोषणा की

गुरुग्राम: भारत की सबसे बड़ी कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग उगादी, गुड़ी पड़वा और ईद मना रही है। इस मौके पर कंपनी ने अपने एआई-पावर्ड रेफ्रिजरेटर्स, वाशिंग मशीन, एयर कंडीशनर्स और माइक्रोवेव पर आकर्षक ऑफर्स दिए हैं। त्योहारों के समय परिवार खुशहाली, समृद्धि और नई शुरुआत का स्वागत करने की तैयारी कर रहे हैं, ऐसे में सैमसंग अपने नए प्रोडक्ट्स पर एक्सक्लूसिव डील्स देकर घरों को अपग्रेड करने में मदद कर रहा है। सीमित समय के लिए उपलब्ध ये ऑफर्स सिर्फ31 मार्च, 2025 तक ही उपलब्ध हैं। इन ऑफर्स से ग्राहक ज्यादा स्मार्ट और कनेक्टेड उपकरण अविश्वसनीय कीमत पर घर ला सकते हैं। अफोर्डेबिलिटी ऑफर्स: उपभोक्ता चुनिंदा डिजिटल उपकरणों पर 48त्न तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं। उन्हें 20,000 रुपये तक का कैशबैक भी मिलेगा और वे आसान ज़ीरो डाउन पेमेंट विकल्प भी चुन सकते हैं। एक्सटेंडेड वारंटी ऑफर्स: चुनिंदा फ्रंट लोड वाशिंग मशीनों पर सैमसंग केयर+ के साथ 4,290 रुपये मूल्य की 2 साल की एक्सटेंडेड और कॉम्प्रीहेंसिव वारंटी केवल 499 रुपये के विशेष मूल्य पर उपलब्ध है। रेफ्रिजरेटर्स पर स्त्रष्टक्रऔर SBS मॉडलों के लिए 1 साल की एक्सटेंडेड वारंटी 449 रुपये के विशेष मूल्य पर और 500रु से कम के फ्रॉस्ट फ्री मॉडल के लिए 349 रुपये के विशेष मूल्य पर दी जा रही है। वारंटी ऑफर्स: सैमसंग रेफ्रिजरेटर्स के डिजिटल इन्वर्टर कंप्रेसर और वाशिंग मशीनों के डिजिटल इन्वर्टर मोटर पर 20 साल की वारंटी के साथ लंबे समय की ड्यूरेबिलिटी सुनिश्चित कर रहा है। माइक्रोवेव के सिरेमिक इनेमल कैविटी पर 10 साल की वारंटी और एयर कंडीशनर पर 5 साल की कॉम्प्रीहेंसिव वारंटी, हर खरीद को एक स्थायी निवेश बनाती है। इंस्टॉलेशन ऑफर्स: बीस्पोक एआई विंड फ्री™ एसी का इंस्टॉलेशन बिल्कुल मुफ्त में किया जाएगा, जिससे उपभोक्ता आसानी से बेहतर कूलिंग का आनंद ले सकते हैं।

पैनासोनिक ने पूर्वी भारत में पेश की एसी की नई रेंज, 55ºC तक के बेहद गर्म तापमान में भी प्रभावी ढंग से काम करेगी

रायपुर: एयर कंडीशनर निर्माण में 65 वर्षों से अधिक की विशेषज्ञता रखने वाली प्रमुख टेक्नोलॉजी कंपनी पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस इंडिया ने आज पूर्वी भारत में अपने वर्ष 2025 के एसी मॉडल्स की नई रेंज लॉन्च की। पूर्वी भारत में रायपुर कंपनी के लिए महत्वपूर्ण बाजार बना हुआ है। कंपनी की यह रेजिडेंशियल एयर कंडीशनर (आरएसी) श्रृंखला स्मार्ट लिविंग को नये अंदाज़ में परिभाषित करने के साथ-साथ चिलचिलाती गर्मी के दौरान 55 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान का सामना करने की क्षमता रखती है। नई रेंज में 1.0, 1.5 और 2.0 टन के 61 मॉडल शामिल हैं, जो अब देशभर के प्रमुख रिटेल स्टोर्स, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स और पैनासोनिक के ऑनलाइन ब्रांड स्टोर https://store.in.panasonic.com/air-conditioners.html पर उपलब्ध हैं। इन एयर कंडीशनरों को कंपनी के आईओटी सक्षम 'मिराई' प्लेटफॉर्म से नियंत्रित किया जा सकता है। इसमें स्लीप प्रोफाइल जैसी एक अनूठी सुविधा दी गई है, जो रात के समय कमरे के तापमान को स्वचालित रूप से समायोजित कर उपभोक्ताओं को बेहतर नींद में सहायक बनती है। पैनासोनिक एयर कंडीशनर ग्रुप के बिजनेस हेड श्री अभिषेक वर्मा ने बताया, ''भारत में एसी की पहुंच अभी मात्र 7-8 प्रतिशत है, लेकिन वर्ष 2023 से 2029 के बीच इस क्षेत्र में लगभग 16.5 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर की संभावना है। अप्रैल 2024 से मार्च 2025 के दौरान कंपनी के AC बिज़नेस ने इंडस्ट्री औसत से अधिक, लगभग 45 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है और रायपुर का इसमें अहम योगदान रहा है। कैलेंडर वर्ष '24 में एसी बाजार हिस्सेदारी में पूर्वी भारत का योगदान लगभग 19 प्रतिशत है और रायपुर हमारे लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। स्मार्ट, ऊर्जा-कुशल, इन्वर्टर एसी की मजबूत मांग के कारण, हमें कैलेंडर वर्ष '25 में पूर्वी भारत में 30 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है।''

श्री वर्मा ने आगे कहा, ''ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए और उनके जीवन को अधिक सुविधाजनक एवं आरामदायक बनाने के लिए, हमने 61 नए आरएसी मॉडल्स पेश किए हैं। यह इंडस्ट्री में स्मार्ट आरएसी की सबसे बड़ी रेंज में से एक है। ये मॉडल्स स्मार्ट तकनीक से लैस हैं, जिनमें मैटर, मिराई, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), नैनोई एयर प्यूरीफिकेशन टेक्नोलॉजी जैसी खूबियां हैं।

काइनेटिक ग्रीन ने वैश्विक विस्तार की दिशा में बढ़ाया कदम, सुधांशु अग्रवाल बने मोबिलिटी और अंतरराष्ट्रीय कारोबार के अध्यक्ष

पुणे: भारत में इलेक्ट्रिक दो और तीन पहिया वाहनों की अग्रणी निर्माता कंपनी काइनेटिक ग्रीन एनर्जी एंड पावर सॉल्यूशंस लिमिटेड ने श्री सुधांशु अग्रवाल को मोबिलिटी और अंतरराष्ट्रीय कारोबार का अध्यक्ष नियुक्त किया है। ऑटोमोबाइल क्षेत्र में दो दशकों से अधिक का अनुभव रखने वाले श्री अग्रवाल रणनीतिक नेतृत्व, कारोबार विस्तार और टिकाऊ मोबिलिटी समाधान के क्षेत्र में विशेषज्ञ माने जाते हैं।उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब कंपनी ईवी निर्यात और अंतिम मील डिलीवरी के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की तैनाती जैसे दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों में तेजी से विस्तार कर रही है। भारत में ई-कॉमर्स और क्विक कॉमर्स से जुड़ी होम डिलीवरी सेवाओं में तेजी से बढ़ते ट्रेंड को देखते हुए काइनेटिक ग्रीन इस बदलाव का नेतृत्व करने की दिशा में अग्रसर है। श्री अग्रवाल एक महत्वपूर्ण समय पर काइनेटिक ग्रीन में आ रहे हैं, क्योंकि कंपनी ने वृद्धि का एक उत्साद्धहपूर्ण चरण शुरू किया है। श्री अग्रवाल के नेतृत्व वाला डिविजन अंतिम मील के लॉजिस्टिक्सय और क्विक कॉमर्स डिलीवरी को नये आयाम देगा। इससे ई-कॉमर्स, क्विक कॉमर्स और संस्थावगत प्रमुखों का फायदा होगा। परिचालन के कम खर्च और संवहनीयता जैसे फायदों के चलते ईवी की बढ़ रही मांग के आधार पर काइनेटिक ग्रीन उन्हें व्यापक आधार पर अपनाये जाने में तेजी लाने की स्थिति में है। इस विस्ताार को मजबूती दे रही है कंपनी की ई-लूना, जिसे अंतिम मील की डिलीवरी के उद्देश्य से बनाया गया है। कंपनी का सुदृढ़ थ्री-व्हीललर कार्गो सेगमेंट पोर्टफोलियो भी आपूर्ति श्रृंखला के प्रबंधन, ई-कॉमर्स तथा निर्यात में उसकी उपस्थिति को मजबूत कर रहा है। 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत एक मजबूत घरेलू आधार पर काइनेटिक ग्रीन अब अपनी वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को बढ़ा रही है। कंपनी रणनीतिक तरीके से महत्वबपूर्ण अंतर्राष्ट्री य बाजारों में विस्तावर कर रही है, जैसे कि दक्षिण एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका। टू-व्हीलर और थ्री-व्ही,लर सेक्ट्रों में अपनी अद्भुत विशेषज्ञता और व्याप्क वैश्विक अनुभव के साथ श्री सुधांशु अग्रवाल इस विस्ता।र में अपनी भूमिका निभाने के लिये बिलकुल सही स्थिति में हैं।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, बुधवार 26 मार्च 2025

मुख्य तकनीकी परीक्षक सतर्कता ने निर्माण एवं विकास कार्यों का किया निरीक्षण

रायपुर (विसं)। मुख्य तकनीकी परीक्षक (सतर्कता) श्री आर. पुराम ने आज अपनी टीम के साथ बेमेतरा और मुंगेली जिले का दौरा कर दोनों जिलों में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति का आकलन किया। इस दौरान जल जीवन मिशन के तहत जल आपूर्ति योजनाओं और लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाई जा रही सड़कों की विस्तृत जांच की गई। निरीक्षण के दौरान कई कमियां पाई गईं, जिनके सुधार के निर्देश अधिकारियों को दिए गये। बेमेतरा जिले में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कुम्हड़ीगुड़ा समूह जल प्रदाय योजना का निरीक्षण किया गया।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल रमेन डेका से मैट्स यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति गजराज पगारिया ने की भेंट

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज यहां राजभवन में मैट्स यूनिवर्सिटी रायपुर के कुलाधिपति श्री गजराज पगारिया ने भेंट की। राज्यपाल श्री डेका ने विश्वविद्यालय को नैक से ए प्लस ग्रेड मिलने पर शुभकामनाएं दी और इसी तरह आगे भी विश्वविद्यालय की गुणवत्ता बनाये रखने कहा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति श्री के. पी. यादव भी उपस्थित थे।

सृष्टि प्लाजो के दिव्या अग्रवाल को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा एक लाख बीस हजार की राशि देकर सम्मान किया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। सृष्टि प्लाजो के दिव्या अग्रवाल को खेल जगत के क्षेत्र में मुख्यमंत्री माननीय श्री विष्णुदेव साय जी (छत्तीसगढ़ शासन) द्वारा एक लाख बीस हज़ार की राशि देकर सम्मान किया गया। विवेकानंद मार्शल आर्ट्स फिटनेस क्लब रायपुर की खिलाड़ी द्वय दिव्या अग्रवाल व हंसा साहू को 37वे नेशनल गेम्स गोवा में कांस्य पदक जीतने पर मुख्यमंत्री निवास में सम्मानित कर स्मृति चिह्न तथा प्रति खिलाड़ी 1 लाख 20 हजार रुपये का राशि प्रदान किया गया ! इस अवसर पर मुख्यमंत्री माननीय श्री विष्णु देव साय जी, खेल मंत्री माननीय श्री टंकराम वर्मा जी, श्री हिमशिखर गुप्ता जी सचिव खेल विभाग, श्री विक्रम सिंह सिसोदिया जी महासचिव छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ, श्री रवि भगत जी प्रदेश अध्यक्ष भाजपा युवा मोर्चा, श्रीमती तनुजा सलाम जी संचालक खेल विभाग सहित खिलाड़ी गण उपस्थित थे।

हम सबका परम सौभाग्य है कि मायाली में पूज्य पंडित प्रदीप मिश्रा जी के श्रीमुख से शिव महापुराण कथा का हो रहा वाचन : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री ने परिवार सहित कथा में लिया भाग, 27 मार्च को होगा कथा का समापन

जशपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज जशपुर जिले के मायाली के मधेश्वर महादेव धाम में आयोजित 7 दिवसीय शिव महापुराण कथा में सहभागी बने और भक्ति-भाव से विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा और बिरहोर जनजाति परिवारों के साथ बैठकर कथा का श्रवण किया। उल्लेखनीय है कि इस अवसर पर शिव महापुराण कथा का श्रवण करने एक लाख से अधिक श्रद्धालु उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कथावाचक पंडित श्री प्रदीप मिश्रा जी का पुष्पमाला पहनाकर एवं मधेश्वर महादेव का छायाचित्र भेंटकर अभिनंदन किया, साथ ही प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना करते हुए उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री श्री साय के साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय, उपाध्यक्ष श्री शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, पवन साय, कृष्ण कुमार राय, भरत सिंह सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी- कमिश्नर श्री नरेंद्र दुग्गा, आईजी श्री अंकित गर्ग, कलेक्टर श्री रोहित व्यास, पुलिस अधीक्षक श्री शशिमोहन सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना का पुन: शुभारंभ 27 मार्च को किया जाएगा। इसके तहत इच्छुक श्रद्धालुओं को विभिन्न तीर्थ स्थलों के दर्शन हेतु भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि अयोध्या धाम रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत अब तक 22,000 से अधिक श्रद्धालु प्रभु श्रीराम के दर्शन कर चुके हैं। शिव महापुराण कथा की दिव्य धारा से विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा और बिरहोर जनजाति के ग्रामीण भी लाभान्वित हुए। ग्राम पंडरसिली (मनोरा), बेहेराखार और भितघारा (बगीचा) से आए अनेक श्रद्धालु कथा स्थल पहुंचे। पहाड़ी कोरवा जनजाति के संतोष राम, बजरु राम, शंकर राम, दुर्गा राम और बिरहोर जनजाति के गेंदु राम, गुरुबारु राम, लाखा राम ने कहा कि शिव कथा ने हमारे अंतर्मन को छू लिया है। प्रदीप मिश्रा जी के प्रवचन केवल भक्ति नहीं सिखाते, वे जीवन को नई दिशा भी देते हैं।

मधेश्वर महादेव: आध्यात्मिक आस्था का केंद्र- मुख्यमंत्री श्री साय ने मधेश्वर महादेव धाम को विश्व के सबसे बड़े प्राकृतिक शिवलिंग के रूप में गौरव का प्रतीक बताया और कहा कि यह स्थल पूरे प्रदेश की धार्मिक आस्था का केंद्र है। उन्होंने आह्वान किया कि इस पावन अवसर का अधिक से अधिक लोग लाभ लें और कथा के शेष दो दिनों में भी उपस्थित होकर शिव भक्ति से स्वयं को अनुप्राणित करें।

27 मार्च को पुन: प्रारंभ होगी मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना

मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रद्धालुजनों को संबोधित करते हुए कहा कि यह हम सबके लिए अत्यंत सौभाग्य की बात है कि भगवान शिव की दिव्य कथा कहने स्वयं पंडित प्रदीप मिश्रा मधेश्वर महादेव की धरती पर पधारे हैं। यहां पाँच दिनों से चल रही शिव भक्ति की धारा से समूचा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो गया है। इस पावन कथा से लोगों को आध्यात्मिक ज्ञान की प्राप्ति हो रही है।

बिलासपुर-नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस को मिला ISO 9001:2015 प्रमाणन- गुणवत्ता और उत्कृष्टता की नई पहचान

द.पू.म. रेलवे की पहली ISO सर्टिफाइड ट्रेन बनी बिलासपुर-नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय रेलवे की प्रगतिशील और आधुनिक ट्रेन सेवा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई है। बिलासपुर-नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस को ISO 9001:2015 प्रमाणन प्राप्त हुआ है, जो उच्चतम गुणवत्ता मानकों, उत्कृष्ट प्रबंधन प्रणाली, सुरक्षा, स्वच्छता और यात्री संतुष्टि का प्रमाण है। यह उपलब्धि न केवल इस ट्रेन की विश्वसनीयता को बढ़ाती है, बल्कि भारतीय रेलवे की नवाचार और सेवा सुधार की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

क्या है ISO 9001: 2015 प्रमाणन- ISO 9001:2015 एक वैश्विक मानक है, जिसे गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली के लिए लागू किया जाता है। यह प्रमाणन तभी प्रदान किया जाता है जब कोई संगठन या सेवा निम्नलिखित मानकों पर खरा उतरता है- निरंतर गुणवत्ता सुधार और उच्च ग्राहक संतुष्टि। बेहतर संचालन, सुरक्षा और रखरखाव प्रक्रिया। समयबद्धता, स्वच्छता और विश्वसनीयता। यात्रियों को आधुनिक और सुविधाजनक सेवाएं प्रदान करना। मंडल रेल प्रबंधक श्री राजमल खोईवाल ने बताया कि यह प्रमाणन रेलवे कर्मचारियों की कड़ी मेहनत, समर्पण और उच्चतम सेवा मानकों को लागू करने की प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने मंडल रेल परिवार के सभी सदस्यों को इस उपलब्धि पर बधाई व शुभकामनायें दी। इस वंदे भारत रेक का रखरखाव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कोचिंग डिपो, बिलासपुर में किया जा रहा है। कोचिंग डिपो बिलासपुर के अधिकारियों, सुपरवाइजर और कर्मचारियों ने नई तकनीक से युक्त इस वंदे भारत रेक के संचालन में अपने कौशल, ज्ञान और अनुभव का प्रदर्शन करते हुए इसे पूरी दक्षता के साथ संचालित किया है।

रेलवे सुरक्षा बल रायपुर द्वारा ह्यूमन ट्रैफिकिंग के विरूद्ध एक कार्यशाला का आयोजन

मानव तस्करी (ह्यूमन ट्रैफिकिंग) के बढ़ते मामलों पर गंभीर चिंतन रेलवे सुरक्षा बल सतर्क

रायपुर (विश्व परिवार)। महानिदेशक रेलवे सुरक्षा बल, नई दिल्ली के आदेशानुसार ह्यूमन ट्रैफिकिंग के संबंध में आज दिनांक 25.03.2025 को महानिरीक्षक- सह-मुख्य सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल, बिलासपुर व वरिष्ठ मण्डल सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल रायपुर के निर्देशन में श्री संदीप डी खिरिटर, सहायक सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल रायपुर के नेतृत्व में ह्यूमन ट्रैफिकिंग के विरूद्ध एक कार्यशाला का आयोजन उल्लास भवन, डब्लू.आर.एस. रेलवे कालोनी रायपुर में संपन्न किया गया।

श्री शेष देव भोई मास्टर ट्रेनर एवं श्री विपिन ठाकुर बचपन बाचाओ, छत्तीसगढ़ स्टेट कोआर्डिनेटर के द्वारा रेलवे सुरक्षा बल के मुख्यालय बिलासपुर सहित रायपुर मण्डल, बिलासपुर मण्डल एवं नागपुर मण्डल के अधिकारी एवं स्टाफ के साथ शासकीय रेल पुलिस एवं रायपुर स्टेट पुलिस के कुल 141 अधिकारी एवं जवानों को जागरूक किया गया। कार्यशाला के दौरान मानव तस्करी (ह्यूमन ट्रैफिकिंग) के बढ़ते मामलों पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है।

यह अमानवीय अपराध न केवल पीड़ितों के मौलिक अधिकारों का हनन करता है, बल्कि समाज की नैतिकता और कानून व्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती पेश करता है। मानव तस्करी के अधिकांश मामले महिलाओं और बच्चों से जुड़े होते हैं, जिन्हें जबरन श्रम, देह व्यापार और अन्य शोषणकारी गतिविधियों में धकेल दिया जाता है। यह अपराध संगठित गिरोहों द्वारा संचालित किया जाता है, जो कमजोर और जरूरतमंद लोगों को बहला-फुसलाकर या जबरदस्ती अपने जाल में फंसा लेते हैं।

KVIT में "Let Your Skills Speak" विषय पर प्रेरणादायक सेमिनार आयोजित

रायपुर (विश्व परिवार)। कृष्णा विकास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (KVIT) में आज "Let Your Skills Speak" विषय पर एक प्रेरणादायक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में इंजीनियरिंग और डिप्लोमा के छात्र, साथ ही संस्थान के शिक्षकगण उपस्थित रहे। सेमिनार का मुख्य उद्देश्य छात्रों को यह समझाना था कि केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि अपने कौशल को पहचानना और निखारना भी सफलता के लिए जरूरी है।

इस अवसर पर KVIT के प्रिंसिपल श्री डी.एन. देवांगन उपस्थित रहे। उन्होंने सेमिनार की सराहना करते हुए छात्रों को प्रेरित किया कि वे अपने कौशल को विकसित करें और उद्योग में आने वाले नए बदलावों के अनुरूप खुद को तैयार करें। सेमिनार के मुख्य वक्ता श्री अजेन्द्र सिंह, जो संस्थान के 2022 बैच के पूर्व छात्र हैं, ने अपने अनुभव और सफलता की यात्रा साझा की। उन्हें उनकी उपलब्धियों के लिए प्रिंसिपल सर द्वारा मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। सेमिनार का संचालन डॉ. प्रतिभा श्रीवास्तव, सुश्री निशा साहू और सुश्री चेतना चंद्राकर द्वारा किया गया। उन्होंने कार्यक्रम को सुगठित और ज्ञानवर्धक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वक्ताओं ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि सिर्फ डिग्री लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि अपनी प्रतिभा को पहचानकर उसे और विकसित करना आवश्यक है। सेमिनार के दौरान छात्रों को डिजाइनिंग, इवेंट मैनेजमेंट, कम्युनिकेशन स्किल्स और करियर के नए अवसरों के बारे में उपयोगी जानकारी दी गई। इस सफल आयोजन से छात्रों को यह सीख मिली कि अगर वे मेहनत और लगन से अपने कौशल को निखारते हैं, तो सफलता निश्चित रूप से उनके कदम चूमेगी। इस कार्यक्रम ने छात्रों को प्रेरित और सशक्त किया, जिससे वे अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए और अधिक उत्साहित हुए।

छत्तीसगढ़ सीमेंट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

मुख्यमंत्री ने एसोसिएशन के सेवा कार्यों की सराहना की, एसोशिएशन को हरसंभव सहयोग का दिया भरोसा

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ सीमेंट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री अंजय शुक्ला एवं अन्य पदाधिकारियों ने आज मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से मुख्यमंत्री निवास में सौजन्य भेंट किया। इस अवसर पर एसोसिएशन द्वारा राज्य में किए जा रहे सेवा कार्यों और आगामी योजनाओं की जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कुनकुरी सदन में एसोसिएशन द्वारा प्रदान की गई एंबुलेंस सेवा की सराहना की और कहा कि यह सेवा जशपुर जिले से इलाज हेतु रायपुर आने वाले जरूरतमंद लोगों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में इस प्रकार की भागीदारी निश्चित रूप से सराहनीय है।

श्री शुक्ला ने जानकारी दी कि एसोसिएशन ने पिछली गर्मियों में ट्रांसपोर्ट यार्ड में शीतल पेयजल और गर्मी से राहत देने वाली सुविधाएं प्रदान की थीं, जिसे इस वर्ष भी प्रदान किया जाएगा। एसोसिएशन द्वारा सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित करने की योजना भी साझा की गई, जिसमें बेटियों के विवाह का संपूर्ण दायित्व एसोसिएशन उठाएगा। इस पहल से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को राहत मिलेगी और बेटियों का सम्मानजनक विवाह सुनिश्चित होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री अंजय शुक्ला के नेतृत्व में एसोसिएशन के सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं और हर प्रकार के सहयोग का आश्वासन भी प्रदान किया।

प्रीत तारवानी ने 13 वर्ष की उम्र में लिखा किताब 'दी फियरफुल गर्ल' राजकुमार कॉलेज में हुआ विमोचन

रायपुर (विश्व परिवार)। भीमन दास अंजना तारवानी की पोती विजय प्रियल तारवानी की सुपुत्री प्रीत तारवानी मात्र 13 वर्ष की उम्र में किताब 'दी फियरफुल गर्ल' लिखा है जिसका विमोचन राजकुमार कॉलेज की असेंबली में श्री मति सीमा सिद्दीकी के हाथों हुआ। प्रीत तारवानी राजकुमार कॉलेज कक्षा 8 वी की छात्रा है प्रीत तारवानी ने बताया कि किताब 'दी फियरफुल गर्ल' में एक लड़की के जीवन यात्रा के बारे में बताया है कैसे एक लड़की सहमी हुई स्कूल पहुंचाती है फिर जब उसे अपनी पहचान होने लगती है तब वह आत्मविश्वास से ऐसे परिपूर्ण हो जाती है कि वो जीवन में कुछ भी हासिल कर सकती है प्रीत तारवानी की इस उपलब्धि पर परिवार जन अत्यंत गौरान्वित महसूस कर रहे है भीमन दास तारवानी राजू भाई तारवानी उत्तम चंद तारवानी सीए चेतन तारवानी ने यह प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया प्रीत तारवानी शुरू से मेघावी एव रचनात्मक रही है विनोद विजय राकेश अजय निलेश देवेंद्र कपिल शंकर दिनेश सोमेश हुनर सुहान प्रयांशु आरव तनिष्का नक्श शैश अक्षय दूर्वी अयान देवम दिवा गर्व तारवानी ने प्रीत तारवानी की इस उपलब्धि पर घर में उत्सव मनाया। घर की महिलाए अंजना सुषमा शांति मनीषा पलक प्रियल सुहानी मान्या दिशा हीर रीत कनिका सुरक्षा ने प्रीत को शाबाशी दी।

एम्स रायपुर ने 50वीं सफल किडनी ट्रांसप्लांट के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की

रायपुर (विश्व परिवार)। एम्स रायपुर अंगदान और अंग प्रत्यारोपण का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहा है, जिससे गरीब एवं वंचित मरीजों को किडनी ट्रांसप्लांट जैसी उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं। यहां 20 बेड की किडनी ट्रांसप्लांट वार्ड विकसित की जा रही है और हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए मेडिकल स्टाफ को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 18 मार्च 2025 को एम्स रायपुर ने अपनी 50वीं किडनी ट्रांसप्लांटको सफलतापूर्वक पूरा किया।अनूपपुर की 22 वर्षीय छात्राको उसकीमाता द्वारा दान की गई किडनीप्रत्यारोपित की गई। वहजनवरी 2024 से किडनी रोग से पीड़ित थीऔर मार्च 2024 से डायलिसिस पर थी। एम्स रायपुर केरिनल ट्रांसप्लांट टीमने यह सर्जरी सफलतापूर्वक की, और वर्तमान मेंडोनर एवं प्राप्तकर्ता दोनों स्वस्थ रूप से उबर रहे हैं।

किडनी ट्रांसप्लांट टीम में शामिल डॉक्टर- ट्रांसप्लांट सर्जन-डॉ. अमित शर्मा, डॉ. दीपक कुमार बिस्वाल, डॉ. सत्यदेव शर्मा। एनेस्थेटिस्ट-डॉ. सुभ्रत कुमार सिंघा, डॉ. मयंक कुमार, डॉ. जितेंद्र। ट्रांसप्लांट फिजीशियन-डॉ. विनय राठौर। ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर-विशाल, अंबे वीनेता। ट्रांसप्लांट नर्सिंग ऑफिसर-रामनिवास, बी. किरण, सोनू।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने रायपुर अंचल के कोटा, बिलासपुर में किया अपनी नवीन शाखा का शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंकों में से एक बैंक ऑफ़ बड़ौदा के रायपुर अंचल द्वारा अपने बिलासपुर क्षेत्र स्थित कोटा में बिलासपुर क्षेत्र की 52वीं शाखा के रूप में नवीन शाखा का शुभारंभ, श्री दिवाकर प्रसाद सिंह, महाप्रबंधक व अंचल प्रमुख, रायपुर अंचल के करकमलों से मंगलवार, 25 मार्च को प्रात:11:00 बजे किया गया। इस अवसर पर श्री सुखसागर खूटे, सी एम ओ, नगर पंचायत कोटा , श्रीमती सरोज दुर्गेश साहू, अध्यक्ष नगर पंचायत, कोटा सहित श्री प्रवीण कुमार क्षेत्रीय प्रमुख, बिलासपुर क्षेत्र एवं श्री दीपक कुमार मिश्रा, उप क्षेत्रीय प्रमुख बिलासपुर क्षेत्र व भारी मात्रा में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

महाप्रबंधक, श्री दिवाकर प्रसाद सिंह ने उपस्थित ग्राहकों को बॉब मास्टरस्ट्रोक एसबी खाता, एसएमई, गृह ऋण जैसे बैंक के उत्पादों की जानकारी दी, साथ ही उपस्थित जनों से अपील की कि वे बैंक ऑफ़ बड़ौदा से जुड़कर अधिकतम बैंकिंग संव्यवहार करें और नव निर्मित शाखा को क्षेत्र और क्षेत्रवासियों के विकास हेतु सेवा का मौका दें। महाप्रबंधक श्री सिंह ने ज़ोर दिया कि नव निर्मित शाखा की ओर से आदर्श ग्राहक सेवा की दिशा में सदैव सर्वोत्तम प्रयास किए जाएँगे।

श्रमिकों के लिए तीसरे श्रम अन्न केंद्र का हुआ शुभारंभ, मात्र 5 रुपए में मिलेगा भरपेट पौष्टिक भोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। श्रमिकों के हित में एक और महत्वपूर्ण पहल करते हुए, बिलासपुर शहर के शनिचरी चांटीडीह इलाके में शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न केंद्र का शुभारंभ किया गया। विधायक सुशांत शुक्ला ने भक्त माता कर्मा जयंती के शुभ अवसर पर इस केंद्र का उद्घाटन किया और श्रमिकों के साथ बैठकर भोजन ग्रहण किया। यह श्रम अन्न केंद्र मात्र 5 रुपए में पंजीकृत श्रमिकों को भरपेट भोजन उपलब्ध कराएगा। योजना के तहत, इस केंद्र से प्रतिदिन लगभग 700 श्रमिकों को भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इससे पहले वृहस्पति बाजार और तिफरा में दो श्रम अन्न केंद्र पहले से संचालित थे, जिनसे कुल 1800 श्रमिकों को लाभ मिल रहा था। अब इस नए केंद्र के साथ यह संख्या और बढ़ेगी। लोकार्पण के दौरान विधायक सुशांत शुक्ला ने बताया कि चांटीडीह क्षेत्र के श्रमिकों ने तीन महीने पहले इस भोजन केंद्र की मांग रखी थी, जिसे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के निर्देशानुसार अल्प समय में पूरा किया गया।

कैंसर सर्जरी
पश्चात अंगों का
पुन:निर्माण
(जबड़ा, स्तन व अन्य)
छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
कालड़ा बर्न एवं
प्लास्टिक कांस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9827144371

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354